हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार 18 मई 2025

11 सेमिनार में की छात्राओं की काउंसलिंग

12 तानिया व रोमा ने प्रदेश में टॉप किया, ईशु तृतीय

S.R. CENTURY PUBLIC SCHOOL

(A SCHOOL WITH A DIFFERENCE) Bahadurgarh - 124507

CLASS XII CBSE RESULT (2024-25)

YASH SHARMA 97.2%

ANUSHKA 96.6%

NAVYA 96.6%

AMRUTHA SREE 96%

PRACHI 95.8%

SAKSHI 95.6%

ABHINAV 95.4%

SUBHAM 95.4%

YACHIKA 94.8%

SAURABH 94.4%

RAKSHIT 96.8%

SHAGUN 94.4%

YASH 94.4%

SUGANDH 93.6%

DISHA 93.4%

VANSU 93%

DIKSHA 92.8%

RIYA 92.6%

RASHI 92.6%

JESSICA 92.2%

HARSH 92%

RICHA 92%

NYSA 92%

ANUSHKA 92%

ALKA 91.8%

YASH 91.6%

KESHAV 91.6%

MEENU 91.2%

BHUMI 91.2%

TAMANNA 91%

SIMRAN 90.6%

BHAWNA 90.4%

MUSKAN 90.4%

NIDHI 90%

TANISHA 90%

CLASS - XII (SUBJECTWISE HIGHEST)

- COMPUTER SCI. - 100
- ENGLISH - 99
- POLITICAL SCIENCE - 98
- CHEMISTRY - 97
- PSYCHOLOGY - 100
- ECONOMICS - 99
- GEOGRAPHY - 98
- PHYSICS - 95
- MUSIC - 100
- PHYSICAL EDUCATION - 99
- HISTORY - 98
- ACCOUNTANCY- 93
- HINDI - 100
- B.ST. - 99
- BIOLOGY - 97
- MATHS - 93

MERIT HOLDERS = 148

MERIT HOLDERS (Subjectwise) = 902

PERFECT 100

TANYA - COMPUTER SCIENCE - 100
NAVYA - PSYCHOLOGY - 100
BHUMI - PSYCHOLOGY - 100
ANUSHKA - MUSIC - 100
RASHI - MUSIC - 100
ANUSHKA - HINDI - 100

CLASS X CBSE RESULT (2024-25)

RADHIKA 98.6%

CHARVI 97.2%

SHRESHTH 96.6%

SUMIT 96%

ANANT 96%

PRACHI 95.8%

VINITA 95.8%

SHAKSHI 95.8%

NAITIK 95.6%

NAMISH 97.8%

SWATI 95.4%

SAKSHAM 95.2%

KHUSHI 95%

PRATHAM 94.6%

KANISHKA 94.6%

RAKSHIT 94.6%

SUHANI 94.4%

RASHI HARIT 94.2%

RUPANSHI 94%

VANSHIKA 93.6%

SAKSHI 93.6%

PALAK 93.4%

YASH 93.2%

SIDDHARTH 93.2%

CHARVEE 93.2%

RITIKA 92.8%

SAUMYA 92.8%

VIDYA 92.6%

DHANVI 92.6%

VANSHIKA 92.2%

MAYANK 92%

TUSHAR 92%

KOSEEN 91.8%

RITIKA 91.8%

YASHIKA 91.8%

ATHARV 91.6%

RITIK 91%

HANSIKA 90.8%

TISHYA 90.8%

BHUMI 90.8%

SONI 90.6%

RUPSHA 90.6%

MADHURIMA 90.2%

GARV 90%

CLASS - X (SUBJECTWISE HIGHEST)

- COMPUTER - 100
- SOCIAL SCIENCE - 100
- HINDI - 99
- MATHS - 100
- SCIENCE - 99
- ENGLISH - 99
- SANSKRIT - 99

MERIT HOLDERS = 173

MERIT HOLDERS (Subjectwise) = 1207

PERFECT 100

SAKSHAM - MATHS - 100
NAITIK - MATHS - 100
VINITA - SOCIAL SCIENCE - 100
CHARVI - COMPUTER -100
SHAKSHI - COMPUTER -100
NAITIK - COMPUTER -100
SUHANI - COMPUTER -100
CHARVEE - COMPUTER -100
TUSHAR - COMPUTER -100
HIMANSHU - COMPUTER -100
BHAWNA - COMPUTER -100

S.R. Century Public School
Delhi-Rohtak Road, Bahadurgarh

S.R. Century Public School
Badli Road, Bahadurgarh

खबर संक्षेप

बादली में स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। एंटी-नारकोटिक सेल की टीम ने नशीले मादक पदार्थ स्मैक के साथ एक आरोपी को थाना बादली के एरिया से काबू किया है। सैल प्रभारी योमेश ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बादली इलाके में रेड की गई तो आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा। संदेह पर नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी के समक्ष उसकी तलाशी ली गई तो सोनू निवासी पेलपा के कब्जे से 7 ग्राम 57 मिलीग्राम स्मैक बरामद हुआ। उसके खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत थाना बादली में मामला दर्ज करके उसे अदालत में पेश किया गया। जहां से अदालत ने पूछताछ के लिए उसे दो दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया।

जाखौदा में श्याम महोत्सव 21 को

बहादुरगढ़। गांव जाखोदा के शिव मंदिर में बुधवार 21 मई को द्वितीय श्री श्याम महोत्सव, भक्ति मेला, निशान यात्रा, मंगल कलश यात्रा कार्यक्रम धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री श्याम युवा मित्र मंडल एवं महिला मंडल जाखोदा द्वारा आयोजित वार्षिक महोत्सव में कई गायक अपनी मधुर वाणी से श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। डिंपी राम मंच संचालन करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने विश्व को दिया संदेश: दुग्गल

भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा भारत माता की जय के लगाए नारे

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं के अलावा पूर्व सैनिकों, युवाओं व विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। शनिवार को रेलवे रोड पर तिरंगा यात्रा निकालते भाजपाई।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और परम बलिदान के सम्मान में शनिवार भी को शहर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं के अलावा पूर्व सैनिकों, युवाओं व विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। यात्रा में लोगों ने हाथों में तिरंगे लेकर भारत माता के जयकारे लगाए।

यात्रा में मुख्यतौर पर पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक, चेयरपर्सन सरोज राठी व पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा शामिल हुए। शनिवार को वार्ड-19 से शुरू हुई यह तिरंगा यात्रा अनाज मंडी व रेलवे रोड होते हुए लाल चौक पर संपन्न हुई। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत के जीरो टॉलरेंस का साफ संदेश पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को दिया है। इस समय पूरा देश सेना के शौर्य पर गर्व कर रहा है।

अब पाकिस्तान को समझ आ गया है कि भारत की ओर उठी उसकी हर नजर उसके विनाश का कारण बन सकती है। यात्रा के संयोजक दिनेश कौशिक ने कहा कि भारत ने पूरे विश्व में अपना लोहा मनवा दिया है। भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और इसे जड़ से उखाड़ फेंकेगा। यह तिरंगा यात्रा हमारे वीर सपूतों के सम्मान में सार्थक प्रयास है। हमें अपनी तीनों सेनाओं पर गर्व है। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष महेश कुमार, मंडल अध्यक्ष संजय सैनी, सुदेश रंगा, पंकज गर्ग, महावीर दलाल, राम अहलावत, राजबाला, विनोद कौशिक, राजबीर जून, नरेश रोहिल्ला व प्रदीप गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शहर में जगह जगह लगे कचरे के ढेर

वेतन न मिलने से परेशान सफाई कर्मियों की हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर डोर-टू-डोर कूड़ा उठान कार्य में ठेके पर लगे कर्मचारियों ने शनिवार को लंबित वेतन की मांग को लेकर हड़ताल कर दी। हड़ताली सफाई कर्मचारियो ने नगर परिषद परिसर में धरना दिया और सरकार विरोधी जमकर नारेबाजी की। बाद में नप सचिव अशोक व संबंधित ठेकेदार द्वारा बुधवार तक कर्मचारियों का वेतन बुधवार तक उनके खाते में भेजने का आश्वासन दिया। ठेकेदार ने कहा कि उनका वेतन एक हजार रुपये बढ़ाकर डाला जाएगा। इसके अलावा समय पर ईपीएफ काटने व ईएसआई की सुविधा दिए जाने का भी आश्वासन दिया गया। जिसके बाद कर्मचारियों द्वारा हड़ताल को समाप्त कर दिया गया। इस दौरान कर्मचारी रोहित बिडलान, राजेंद्र, अमित, सतीश, सन्नी, वीरेंद्र, मुकेश, जोगिंद्र, अमन, संदीप, संजीव, शिव कुमार, धर्म कांगड़ा, सागर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। नगर परिषद कार्यालय में हड़ताल पर बैठे कूड़ा उठान के कर्मचारी।

झज्जर। शहर के सीताराम गेट क्षेत्र में सड़क पर बिखरा कूड़ा।

शहर में लगे गंदगी के ढेरः सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण शहर में सफाई व्यवस्था चरमरा गई। शहर के सीताराम गेट, बीकानेर चौक सहित विभिन्न स्थानों पर कूड़े के ढेर लग गए। डोर टू डोर कूड़ा उठान नहीं होने के कारण भी गृहणियों को काफी दिक्कत हुई।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक 20 मई को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की जिला इकाई की मीटिंग 20 मई को पुरानी तहसील रोड स्थित जलघर में होगी। जिला सचिव देवेंद्र यादव ने बताया कि सुबह बजे शुरू होने वाली इस मीटिंग में रिटायर्ड कर्मचारियों लंबित मांगों को पूरा कराने को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। उनकी लंबित मांगों में मेडिकल कैशलेस कराना, आठवें वेतन आयोग में सभी रिटायर्ड कर्मचारियों को शामिल करना, 18 महीने का बकाया डीए दिया जाना, ओपीएस लागू करना, पेंशनर की विधवा को एलटीसी दी जाना, रेल में यात्रा करने पर पहले की तर्ज पर आधा किराया लागू करना, अस्पताल, बस स्टैंड, बैंक आदि स्थानों पर सीनियर सिटीजन की अलग से लाइन की मांग शामिल हैं।

श्रीजयराम आश्रम में बैठक आयोजित

नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बैठक के दौरान नव नियुक्त पदाधिकारियों के बीच उपस्थित भाविप के प्रांतीय उपाध्यक्ष मूलचंद जोशी।

भारत विकास परिषद भगवती शाखा बेरी के सदस्यों की आम बैठक शनिवार को श्रीजयराम आश्रम में शाखा संरक्षक पीताम्बर शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में भाविप के प्रांतीय उपाध्यक्ष मूलचन्द जोशी का प्रवास हुआ। प्रवास के दौरान उन्होंने शाखा सदस्यों से परिषद की रीति नीति के अनुसार कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने नव नियुक्त शाखा अध्यक्ष राजीव मित्तल, सचिव राजेन्द प्रसाद गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रवीण कौशिक एवं अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई। जिला समन्वयक सतीश शर्मा और सह समन्वयक प्रवीण शर्मा ने नए सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाते हुए कहा कि आज हमें आने वाली युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से अवगत कराने की जरूरत है। शाखा संरक्षक पीताम्बर शर्मा और अध्यक्ष राजीव मित्तल ने कहा कि भगवती शाखा बेरी द्वारा संस्कार, सेवा और सम्पर्क परियोजना द्वारा समाज की सेवा के कार्य लगातार किए जा रहें हैं। इस मौके पर पार्षद राजेश वत्स, डॉक्टर सुमित्रा धनखड़, दिनेश शर्मा, कुलदीप स्वामी, कृष्ण अवतार, शिक्षाविद कमलेश राठौर, रविन्द्र वर्मा, जितेन्द्र, नरेश कुमार, सुदेश कुमार, विरेन्द्र, प्रकाश चन्द, प्रदीप, पवन रोहिल्ला सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर में शोर्यगाथा उत्सव पर साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन

- 'भारत मां की आरती गाते रहेगें हम सदा, है जब तक ये जा, लुटाते रहेंगें हम सदा : कंचन मखीजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्त्री शक्ति संगठन द्वारा सेक्टर 14 रोहतक में ऑपरेशन सिंदूर में शोर्यगाथा उत्सव पर साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्यअतिथि पूर्व सैनिक सतीश सुमित्रा कौशिक रहे। जबकि कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन समाजसेवी जे.पी. गौड़ ने किया। सभी विचारकों ने अपने उद्बोदन में राष्ट्र के प्रति सजगता प्रगट की। मुख्यअतिथि ने अपने विचारों में द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी रचित रचना की पंक्तियों ने से 'वीर तुम बढ़े चलो-धीर तुम बढ़े चलो' के माध्यम से बताया कि अगर सामने रूपी बाधा रहे और सिंह दहाड़ कर डराने का प्रयास करे फिर भी हमें डरना नहीं चाहिए। आज की काव्य सभा में कवयित्री डॉ. कंचन मखीजा ने अपनी पुस्तक स्त्रीशक्ति मुख्यअतिथि को भेंट की। डॉ. मखीजा ने अपने काव्यपाठ में कहा 'भारत मां की आरती गाते रहेगें हम सदा। है जब तक ये जा, लुटाते रहेंगें हम सदा। स्नेहा बंसल ने बहुत ही सुन्दर पंक्तियों द्वारा राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि पहलगाम उठ, गरज, तड़प उठा है हिंदुस्तान, अब हर सांस बनेगी शपथ, मिटेगा तेरा अपमान। राज ख्यालिया ने कविता के माध्यम से कुछ इस प्रकार कहा - 'हर वादा वो भूल गया, जब सरहद पर संकट आया। न ममता देखी मां की फिर, न घर का कोई साया। काव्य-गोष्ठी के अंत में गीतकार वीरेन्द्र मधुर ने गीतों के माध्यम से विश्व में शान्ति कायम रहे की कल्पना की।

सुनवाई से पहले हटाया अवैध निर्माण

न्यायालय ने नवंबर 2024 में दिया था आदेश, कल होनी थी सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

स्थानीय अदालत में चल रहे एक केस में सुनवाई से पहले एक्शन लेते हुए नगर परिषद ने दयानंद नगर में एक अवैध निर्माण हटा दिया। पालिका अभियंता जोगेंद्र सिंधु ने बताया कि संत राम बनाम अनमोल कौशिक व अन्य के केस में अदालत ने 18 नवंबर 2024 को आदेश दिया था। बता दें कि शहर के दयानंद नगर में अवैध निर्माण से संबंधित यह केस सिविल न्यायालय बहादुरगढ़ में विचाराधीन है। इस केस में वादी ने प्रतिवादी द्वारा गली में अवैध दीवार बनाकर कब्जा करने का आरोप लगाया था। माननीय न्यायालय द्वारा 18 नवंबर 2024 के आदेशों की पालना करवाने के लिए दायर याचिका की आगामी सुनवाई 19 मई को निर्धारित है। नगर परिषद बहादुरगढ़ ने न्यायालय द्वारा 18 नवंबर को दिए आदेश की पालना सुनिश्चत करने के लिए प्रतिवादी को नोटिस जारी किया था। लेकिन प्रतिवादी द्वारा नगर परिषद के नोटिस का कोई भी जवाब नही दिया गया। ऐसे में नगर परिषद की टीम दयानंद नगर में पहुंची और जेसीबी की मदद से अवैध दीवार को हटा दिया गया।

बहादुरगढ़। दयानंद नगर में दीवार हटवाती नगर परिषद की टीम।

दरियापुर में करियर काउंसलिंग कार्यशाला आयोजित

विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लिया

9वीं से 12वीं के छात्रों को दिए करियर संबंधी टिप्स

- दिल्ली से पधारे सागर सबरवाल व उनकी टीम ने बच्चों को गाइड किया
- विद्यार्थियों को स्टेशनरी बांटी
- प्रधानाचार्य ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव दरियापुर में स्थित रणबीर सिंह मॉडल स्कूल में शनिवार को कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों के लिए करियर काउंसलिंग कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। दिल्ली से पधारे सागर सबरवाल व उनकी टीम ने बच्चों को गाइड किया। छात्रों ने इस सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया और आत्मविश्वास के साथ प्रश्न पूछे। सत्र के अंत में टीम द्वारा छात्रों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। प्रधानाचार्या किरण वर्मा ने उपस्थित छात्रों को सुनहरे भविष्य के लिए प्रेरित किया।

वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में विदाई समारोह का आयोजन

रोहतक। वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बीएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने बीएड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई पार्टी दी। इस मौके पर सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन हुआ। जनरल सेक्रेटरी राजेंद्र बंसल ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान विभिन्न प्रकार के फनी गेम, क्विज, म्यूजिकल चेयर व अनेक गतिविधियां करवाई गई। सभी ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। प्राचार्या डॉक्टर तरुणा मल्होत्रा ने गीत आती रहेंगी बहारें जाती रहेंगी बहारें द्वारा सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया। द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने अपने अनुभव सांझा किए। बीएड द्वितीय वर्ष में मिस्टर पर्सनालिटी मोहित, सिद्धार्थ, मिस पर्सनैलिटी सिद्धि, मिस ब्यूटीफुल अंजलि, मिस फेयरवेल निपुण, मिस्टर फेयरवेल अश्विनी, मिस्टर हैंडसम विकास रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

आपदा में अपनी व दूसरों की रक्षा का दिश प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बादली के राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत विद्यार्थियों को सिविल डिफेंस ट्रेनिंग दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य आनंद कादयान ने की। उन्होंने बताया कि आपदा की स्थिति में जागरुक विद्यार्थी ही अपने साथ आसपास के लोगों की मदद कर सकते हैं। इस दौरान युवाओं को किसी भी तरह की आपदा से बचाने के तौर तरीके सिखाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान देवरखाना से आए डॉ शिव खांडेकर ने विभिन्न आपदाओं के दौरान मेडिकल एमरजेंसी से निपटने के तरीके समझाए। उन्होंने लोगों को रेस्क्यू करना सिखाया, आपदा के टाइम पर नागरिकों की मदद करने व जान माल के नुकसान से बचाने के बारे में प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि आगजनी, हवाई हमले, भूकंप व बाढ़ से आने वाली जैसी आपदाओं के लिए युवाओं को प्रशिक्षण व जागरूक किया जाना जरूरी है। आपदा के समय में विभिन्न परिस्थितियों में फंसने पर नागरिकों का बचाव करने के बारे में सभी को विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. शिव ने स्वयंसेवकों को सीपीआर भी करके दिखाया। उन्होंने हीट वेव तथा कोल्ड वेव से बचने के उपाय भी बताए। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रेनू गुलिया, संदीप, डॉ विजय, रविंद्र, डॉ नवीन मलिक व डॉ यशपाल आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। डॉ. शिव खांडेकर का स्वागत करते कॉलेज स्टॉफ।

बाइक से गिरकर घायल हुए युवक की बाइक चोरी

झज्जर। गांव ढाणी अकबरपुर निवासी एक व्यक्ति का जब मोटरसाइकिल पर गुरुग्राम जाते समय दादरी तोए क्षेत्र में एक्सीडेंट होने पर उसे उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। उपचार के बाद जब वह क्षतिग्रस्त बाइक लेने पहुंचा तो उसकी बाइक वहां से चोरी हो चुकी है। ऐसे में पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है। दी गई शिकायत में भिवानी जिले के ढाणी अकबरपुर निवासी रविकांत ने बताया कि बीती बारह मई को अपनी मोटरसाइकिल पर किसी काम से गुरुग्राम जा रहा था। दोपहर करीब दो से तीन बजे के बीच जब दुलीना चौकी से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे निकला तो उसकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया और गिरकर जख्मी हो गया। इसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

आदेश | जिला पुलिस आयुक्त ने सभी डीसीपी व एसीपी के साथ की बैठक

जिला पुलिस आयुक्त ने पीसीआर, राइडर्स, नाका और गश्त पार्टियों को दुरूस्त करने के दिए निर्देश

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए जिला पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिला पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने सभी डीसीपी व एसीपी के साथ मीटिंग करते हुए वर्तमान कानून एवं व्यवस्था की जानकारी सहित अपराधों की रोकथाम तथा लंबित संगीन किस्म के अपराधों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला में अपराधिक वारदातों पर अंकुश लगाने को लेकर कड़े कदम उठाए जाएं। इसके अतिरिक्त आमजन की सुरक्षा तथा अपराधों की रोकथाम, अपराधियों को पकड़ने के लिए अलग अलग स्थानों पर तैनात पीसीआर, राइडर्स , नाका व गश्त पार्टियों को दुरूस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि पीसीआर ,राइडर्स व गश्त पर तैनात पुलिस की अन्य टीमें अपने-अपने क्षेत्र में सभी एटीएम, बैंक, पैट्रोल पंप , शराब ठेका , गैस एजेंसी व अन्य सार्वजनिक स्थानों को लगातार चैक करते रहेंगे। जिनकी समय-समय पर डीसीपी और एसीपी द्वारा भी चैकिंग की जाएगी । उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी किसी भी समय किसी भी थाना, चौकी और पीसीआर व राइडर की चैकिंग कर सकती है। इस दौरान अगर कोई कर्मचारी ड्यूटी पर लापरवाही करता पाया गया तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई अमल मे लाई जाएगी।

ये रहे मौजूद

इस दौरान डीसीपी हैडक्वाटर एवं क्राइम जसलीन कौर, डीसीपी मयंक मिश्रा, डीसीपी लोगेश कुमार, एसीपी क्राइम प्रदीप कुमार, एसीपी शमशेर सिंह, एसीपी हैडक्वाटर अनिरुद्ध चौहान, एसीपी अनिल कुमार, एसीपी प्रणय कुमार, एसीपी अखिल कुमार, एसीपी दिनेश कुमार आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय गोधन समिट को लेकर बैठक

सुनीता दुग्गल ने गाय के महत्व से करवाया अवगत

- मेजर ध्यान चंद नेशनल स्टेडियम में 5 से 10 नवंबर तक राष्ट्रीय गोधन समिट का आयोजन किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नई दिल्ली के मेजर ध्यान चंद नेशनल स्टेडियम में 5 से 10 नवंबर तक राष्ट्रीय गोधन समिट का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर देश के अलग-अलग भागों में जागरुकता बैठकें की जा रही हैं। शनिवार को बहादुरगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सभागार में इसे लेकर बैठक हुई। सम्मिट के संयोजक विजय खुराना, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, भारतीय किसान संघ के प्रदेशाध्यक्ष सतीश छिकारा, बीसीसीआई अध्यक्ष सुभाष जग्गा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास आनंद सोनी व नरेंद्र छिकारा आदि बैठक में उपस्थित रहे। विजय खुराना ने बताया कि राष्ट्रीय गौधन महासंघ करीब 19 साल से गाय के संरक्षण के लिए काम कर रहा है। गाय का संरक्षण भारत को पर्यावरण, अर्थव्यवस्था व रोजगार सर्जन में आत्म निर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है। सुनीता दुग्गल ने गाय के महत्व से अवगत करवाया। इस मौके पर हरपाल डागर, कृष्ण सहरावत, संजीव, प्रो तरुण, प्रिंसिपल नंदकिशोर, बलराम शर्मा, डॉ बबीता, वेद सुहाग, बिजेंद्र सहरावत, प्रदीप कौर, दीपा जमवाल, शुभम शर्मन, राघव महाजन, भूषण कौशिक, बलदेव महाजन, नीर आर्य, पूजा मलिक, जगदीश शर्मा, ओमदत गिरधर, पवन जैन, केके सेठ, रवींद्र अग्रवाल, एसएन दीक्षित, कंवर भान व जेके अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। बैठक में चर्चा करती सुनीता दुग्गल व अन्य वक्ता।

खबर संक्षेप

सेक्टर-2 में पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष

बहादुरगढ़। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि सेक्टर-2 में स्थित प्रदीप कुमार के निवास स्थान पर पहुंचे। स्वागत उपरांत विकास बाल्मीकि ने कहा कि प्रदेश की ईमानदार सरकार हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कबीर बस्ती निवासी राजेंद्र बोहत ने सफाई व्यवस्था की खामियां गिनाई। चौपाल का मुद्दा भी उठाया। इस मौके पर सत्यवान, कुलदीप पिहाल, सतबीर पिहाल, संदीप बिढलान, सोनू टांक, शिव अम्बेडकर, ललित चालिया व बुधराम टांक आदि मौजूद रहे।

बालौर में हुआ हवन व भंडारा

बहादुरगढ़। बालौर गांव के राधा कृष्ण मंदिर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण की पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर को फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया था। सुबह विशेष पूजा और हवन के बाद भंडारे की शुरूआत हुई। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर प्रसाद प्राप्त किया और भगवान का आशीर्वाद लिया। सरपंच राजेश यादव व पूर्व सरपंच सतवीर यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। भंडारे में विधायक राजेश जून, पूर्व विधायक नरेश कौशिक, हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उप प्रधान अनिल खत्री व पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी आदि ने शिरकत की।

घर का ताला तोड़कर 10 हजार रुपये चुराए

बहादुरगढ़। गांव नूना माजरा निवासी विकास के घर में निर्माण का काम चल रहा है। उन्होंने अपने दादा रणबीर के घर पर सामान रखा हुआ है। वे मां-बेटा निर्माण संभालने चले गए। उसका भाई ताला लगाकर बहादुरगढ़ चला गया था। लेकिन जब वे घर आए तो ताला टूटा हुआ मिला। बैग में रखे 10 हजार रुपये गायब थे।

छारा के मकान से नकदी व जेवर चोरी

बहादुरगढ़। गांव छारा में करीब 10 दिन पहले अज्ञात व्यक्ति एक घर में घुसकर नकदी व आभूषण चुरा ले गया। पीड़ित सुमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 8 मई की रात को कहीं गया हुआ था। जब वह 9 मई को घर आया तो उसकी मां ने बताया कि रात के समय कोई घर पर आया था। घर में रखे 20 हजार रुपए के अलावा 3 अंगूठियां व एक सोने की चेन गायब थी। गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में दिखा कि रात करीब साढ़े 11 बजे एक शख्स घर में घुसा था। यही शख्स 5 मई को उनके घर की रैकी करके गया था। पुलिस ने बीएनएस की धारा 331(4) व 305 के तहत केस दर्ज किया है।

विधायक आज लाइनपार में खुला दरबार लगाएंगे

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून रविवार 18 मई को लाइनपार में दो जगह खुला दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे। उनके सचिव ने बताया कि विधायक राजेश जून रविवार 18 मई को सुबह 10 बजे लाइनपार की पंडित लख्मीचंद धर्मशाला में वार्ड नंबर-1 से 5 तक के निवासियों की समस्याएं सुनेंगे और फिर डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में सुबह 11 बजे वार्ड 6 से 10 के निवासियों की समस्याएं सुनेंगे। मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को उनके निदान का निर्देश देंगे।

महर्षि दयानंद स्कूल खुड्डन में आयोजित हुई रोल प्ले प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

लक्षिता व तन्नु ने मां-बेटी का रोल अदा करते हुए प्रथम शिक्षा व गरिमा जॉब इंटरव्यू रोल में द्वितीय रहीं

झज्जर। रोल प्ले प्रतियोगिता में भागीदारी करते हुए छात्राएं, चार्ट एवं कार्ड दिखाते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

महर्षि दयानंद स्कूल खुड्डन में विद्यार्थियों की अंग्रेजी संवाद कौशल, आत्मविश्वास और मंच प्रस्तुति को प्रोत्साहित करने के लिए इंग्लिश रोल प्ले प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्राथमिक से लेकर उच्च कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका में इंग्लिश टीचर रेनू शर्मा, रीना चौहान व कृति यादव शामिल रहे। तीन वर्गों में विभाजित इस प्रतियोगिता के लेवल तीसरी से छठी और आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों में लक्षिता व तन्नु ने मां-बेटी का रोल अदा करते हुए प्रथम, शिक्षा व गरिमा ने जॉब इंटरव्यू रोल में द्वितीय तथा मुस्कान व खनक ने बैंक मैनेजर का रोल अदा कर तृतीय स्थान हासिल किया। चौथी से पांचवीं कक्षा तक के लेवल टू में विधि व दिव्या ने मोबाइल शॉप कीपर की भूमिका में पहला, रौनक एवं नितिन ने शॉपकीपर का रोल निभाते हुए दूसरा तथा आराध्या एवं जानवी ने डॉक्टर-पेशेंट का रोल निभाते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहली से तीसरी कक्षा तक के लेवल वन के परिणामों में अनमोल व हिमांशु ने पहला, मन्यत व देविका ने दूसरा तथा मयूर व हर्षित ने तीसरा स्थान हासिल किया। इस दौरान निपुण संयोजक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया ने विजयी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अंग्रेजी भाषा की वर्तमान समय में बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य रामनिवास गहलावत, प्रबंधक समिति सदस्य रमेश डेरोलिया, सुरेन्द्र कोडान, अकादमिक इंचार्ज डॉक्टर राजबीर सहवाग एवं प्राइमरी इंचार्ज अलका रानी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

काई मेकिंग और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। राय साहब पंडित बसंत लाल एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित हिमालय हाई स्कूल के प्रांगण में फैमिली-डे के उपलक्ष्य में कार्ड मेकिंग और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में जहां नन्हें विद्यार्थी विभिन्न वेशभूषाओं में नजर आए वहीं कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में फैमिली डे विषय पर आकर्षक चार्ट बना कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यायल की मुख्याध्यापिका लीला देवी ने विद्यार्थियों को परिवार के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि कैसे एक-एक परिवार मिलकर देश का निर्माण करता है।

बहादुरगढ़। स्कूल में बच्चों को योगाभ्यास करवाते योगाचार्य जगदीश सहवाग।

स्कूल में बच्चों को करवाया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। शहर के रेलवे रोड पर स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग द्वारा निःशुल्क योग प्राणायाम शिविर का आयोजन किया गया। कैंप की अध्यक्षता प्राचार्या मंजू रानी ने की। योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग ने बच्चों से कहा कि प्रतिदिन योग करने से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। हम सब शिक्षित बने, संगठित रहें। संघर्ष करें तथा विषम परिस्थितियों से न घबराएं। तभी जीवन की प्रगति संभव है। सभी विद्यार्थी राष्ट्र की प्रगति के लिए हर संभव प्रयास करें और विकसित राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान अवश्य दें। इस अवसर पर सुशीला देवी, अनिल, विजय छिल्लर, पंकज, पूनम मलिक, अनु राणा, प्रदीप कुमार, पवन काजला, रविंद्र, अरुण भारद्वाज, दिनेश भारद्वाज व प्रवीण जाखड आदि उपस्थित रहे।

सेमिनार में की छात्राओं की काउंसलिंग

■ संगोष्ठी में 12वीं कक्षा की लगभग 45 छात्राओं ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के वैश्य आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें 12वीं कक्षा की छात्राओं को विभिन्न विषयों में रोजगार के अवसरों के बारे में समझाया गया। प्रधानाध्यापिका अंजू अग्रवाल ने बताया कि संगोष्ठी में 12वीं कक्षा की लगभग 45 छात्राओं ने भाग लिया।

मुख्यवक्ता के रूप में वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. राजवंती शर्मा ने बताया कि उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने की इच्छुक छात्राओं को विषय चयन करते समय कई बातों का ध्यान रखना चाहिए। स्नातक स्तर पर विषयों के चयन के आधार पर ही हमारे भविष्य का निर्धारण होता है। उन्होंने कॉलेज स्तर पर पढ़ाए जाने वाले विषयों के बारे में भी चर्चा की। प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाली छात्राओं के लिए होने वाले स्कॉलरशिप टेस्ट की भी जानकारी दी।

बहादुरगढ़। छात्राओं को समझाती डॉ. राजवंती शर्मा। फोटो :हरिभूमि

अज्ञात वाहन की टक्कर से राजमिस्त्री की मौत

■ रईया गांव के नजदीक हुआ हादसा काम खत्म करके मोटरसाइकिल घर वापिस लौट रहा था निवादा निवासी मृतक सुरेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शनिवार देर सांय रईया गांव के नजदीक अज्ञात वाहन ने दो मोटरसाइकिल सवारों को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस घटना में जहां एक मोटरसाइकिल सवार ने रोहतक पीजीआई में दम तोड़ दिया वहीं दूसरा अभी उपचाराधीन है। मृतक की पहचान जिले के निवादा गांव निवासी करीब 43 वर्षीय सुरेंद्र सिंह पुत्र नेतराम के तौर पर हुई है जबकि घायल व्यक्ति की पहचान छप्पार गांव निवासी मुकेश पुत्र अजीत के तौर पर की गई है। पुलिस को दी शिकायत में मृतक की पत्नी मेनका ने बताया कि उसका पति सुरेंद्र सिंह राज मिस्त्री का काम करता है तथा शुक्रवार की रात डावला गांव में काम करने के लिए आया हुआ था। शाम करीब सात बजे जब वह काम खत्म करके अपनी मोटरसाइकिल पर वापिस घर लौट रहा था इसी दौरान रईया गांव के नजदीक किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इसी दौरान दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार छप्पार गांव निवासी मुकेश भी तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गया। टक्कर लगने के बाद दोनों मोटरसाइकिल सवार सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि मोटरसाइकिलें भी सड़क किनारे संतर में जा गिरी। इसके बाद राहगीरों द्वारा दोनों घायलों को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रैफर कर दिया। मामले के जांच अधिकारी हरिओम ने बताया कि मृतक की पत्नी की शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीजीआई में शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है।

झज्जर। घटना स्थल पर क्षतिग्रस्त हुई मोटरसाइकिल। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित विद्यार्थी एवं स्टॉफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

पौष्टिक भोजन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उठाया लजीज भोजन का आनंद

झज्जर। एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में शनिवार को पौष्टिक भोजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नर्सरी, एलकेजी व यूकेजी कक्षाओं के नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों ने पौष्टिक तत्त्वों से भरपूर लजीज भोजन का लुत्फ उठाया। विद्यालय प्राचार्य सतबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता में एक्टिविटी इंचार्ज कमलेश ढिल्लों ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्री-प्राइमरी प्रमुख सुमन मान ने बताया कि नर्सरी कक्षा से दक्ष और दामिनी ने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। एलकेजी कक्षा से काव्या और वामिनी और यूकेजी कक्षा से रिव्या व ग्रवित प्रथम स्थान पर रहे। एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने विद्यार्थियों को बताया कि भोजन वही उत्तम होता है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो। क्योंकि पौष्टिक भोजन में ही स्वस्थ जीवन का राज छिपा है। घर पर बना सादा भोजन हमेशा स्वास्थ्यवर्धक होता है, जो हमारे शरीर को स्वस्थ और मजबूत बनाता है। जब हम शारीरिक रूप से स्वस्थ होगें, तभी हम मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहेगें। एचडी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा एवं हेमन्त गुलिया ने विजेता विद्यार्थियों को आकर्षक इनाम देकर सम्मानित किया।

छात्रों ने प्रतियोगिता में पढ़े हिंदी समाचार पत्र

इनोवेशन हाउस जूनियर व ट्रांसफॉर्मेशन हाउस सीनियर प्रथम रहे

■ प्रधानाचार्या राखी ने प्रमाण पत्र देकर विजेताओं को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

अशोका इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों की पठन क्षमता, भाषाई दक्षता और समसामयिक विषयों पर पकड़ को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हिंदी न्यूजपेपर रीडिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इससे विद्यार्थियों में समाचार पत्र पढ़ने की आदत बढ़ेगी, उन्हें स्पष्ट अभिव्यक्ति, शब्दावली विस्तार और समाचारों के विश्लेषण की कला भी समझा आएगी।

विद्यालय के चारों हाउस इनोवेशन, रिनोवेशन, इंस्पिरेशन और ट्रांसफॉर्मेशन के प्रतिभाशाली छात्रों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनोवेशन हाउस (जूनियर) व ट्रांसफॉर्मेशन हाउस (सीनियर) प्रथम रहे। रिनोवेशन हाउस (जूनियर) व इंस्पिरेशन हाउस (सीनियर) द्वितीय रहे। ट्रांसफॉर्मेशन हाउस (जूनियर) व इनोवेशन हाउस सीनियर तृतीय स्थान पर रहे। प्रधानाचार्या राखी ने प्रमाण पत्र देकर विजेताओं को सम्मानित किया। चेयरमैन डॉ. अशोक शर्मा व निदेशिका विजय लक्ष्मी ने कहा कि समाचार पत्र पढ़ने की आदत देश-दुनिया की घटनाओं से जोड़े रखती है। तर्कशीलता, आलोचनात्मक सोच और आत्मविश्वास विकसित करती है। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को मंच पर अपने विचार स्पष्टता और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

बहादुरगढ़। प्रतियोगिता में हिंदी समाचार पत्र पढ़ते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

ऑनलाइन कैंपस प्लेसमेंट में छात्रा दिवंशी का चयन

झज्जर। गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एडं मैनेजमेंट कबलाना में एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन कैंपस प्लेसमेंट में 8वें सेमेस्टर बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा दिवंशी जैसवाल का जेएनसी के पद पर चयन हुआ। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर अमन अग्रवाल ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड हितांशु सलूजा, क्षितिज उपाध्याय व प्रवीन कुमार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि संस्थान में इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाते रहेंगे।

होनहार छात्रा दिवंशी।

तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार सिक्योरिटी गार्ड घायल

झज्जर। खातीवास गांव के नजदीक तेज रफ्तार ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार कर घायल कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में महेंद्रगढ़ जिले के खुड़ाना गांव निवासी बिजमोहन ने बताया कि वह मानेसर में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है। जब वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर भिवानी से मानेसर जा रहा था तो खातीवास के नजदीक एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के कारण वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद राहगीरों द्वारा उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

NOTICE

I, VIKASH CHHILLAR S/o BALJEET SINGH R/o BAHAMNOLI (35), PO BAMNAULI, Distt. Jhajjar, Haryana declare that as per Aadhar card no 897340014415 my Name is VIKASH CHHILLAR S/o Baljeet Singh, but my name has been entered only VIKASH S/o Baljeet in educational certificate. VIKASH CHHILLAR S/o Baljeet Singh and VIKASH S/o Baljeet is one and the same person that is myself.

भारत-पाक तनाव के कारण बीच में रुक गया था आईपीएल, तेजी से फैल रहा सट्टे का बाजार

दस दिन बाद आईपीएल शुरू, खेलप्रेमियों के साथ सटोरिए खुश

■ हर रोज गली-नुक्कड़ पर हजारों-लाखों रुपयों के दांव लगाए जा रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

द्वापर युग में चौसर पर खेले गए दांव का परिणाम महाभारत के रूप में सामने आया था। लेकिन कलियुग में जुएं ने सट्टे का रूप ले लिया है। हर रोज गली-नुक्कड़ पर हजारों-लाखों रुपयों के दांव लगाए जा रहे हैं। क्रिकेट मैचों में तो सट्टे का काला कारोबार कई गुणा बढ़ जाता है। जल्दी धनवान बनने का सपना लेकर कई अच्छे घरों के युवा सट्टे के इस काले कारोबार में बर्बाद हो रहे हैं। बता दें कि 8 मई को भारत-पाक टेंशन को देखते हुए इंडियन प्रीमियर लीग रोक दी गई थी। अब शनिवार से एक बार फिर आईपीएल 2025 शुरू हो गया है। एक तरफ जहां बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच खेला गया। वहीं दूसरी तरफ क्रिकेट प्रेमियों के साथ ही स्टोरिए भी खुशी से चहक गए। नगर में बड़े पैमाने पर क्रिकेट पर सट्टे की बुक चल रही है। सटोरिए हाइटेक होने के कारण पुलिस की पकड़ में नहीं आते। जुएं का नया रूप सट्टा समाज की युवा पीढ़ी को बर्बादी की राह दिखा रहा है। सट्टे के फेर में कई परिवार तबाह हो चुके हैं, तो कई तबाही की राह में फर्राटे भर रहे हैं। सट्टे के तार शहर से लेकर गांव तक फैले हुए हैं। हर जगह सट्टे की बिसात पर टीमों की हार-जीत के दांव लग रहे हैं। सूत्रों की मानें तो शहर में ओपन-क्लोज का सट्टा साल के 12 महीने चलता है। ओपन-क्लोज सट्टे के साथ क्रिकेट का सट्टा भी हर घर तक पैर पसार रहा है। इसमें कई घरों के लोग लाखों रुपय दांव लगाकर बर्बाद हो रहे हैं। आईपीएल का सट्टा हाइटेक तरीके से चल रहा है। कुछ खाईवाल लैपटाप से तो कुछ खाईवाल मोबाइल से चला रहे हैं। खाईवालों के पास हर दिन के लिए अलग-अलग मोबाइल नंबर हैं, जो खेलने वालों को कोड-वर्ड के साथ दिए गए हैं। नगर में फंटरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। फंटर यानी क्रिकेट का सट्टा लगाने वाला। फंटर अलग-अलग स्थानों पर बैठकर मोबाइल पर सट्टा लिखाते हैं। सट्टे में ज्यादातर फंटर बर्बाद ही होते हैं, जबकि बुकी मालामाल होते है। क्रिकेट मैचों में सबसे ज्यादा बॉल टू बॉल सट्टा लगता है। युवा शार्टकट से पैसे कमाने के लिए सट्टा लगाना शुरू कर देते है और ब्याज पर रुपए उठाकर बुकियों को रुपए चुकाते हैं।

बहादुरगढ़। स्टेडियम में आईपीएल का मैच देखते खेलप्रेमी। फोटो :हरिभूमि

खबर संक्षेप

दिनदहाड़े घर से नकदी और आभूषण चोरी

झज्जर। स्थानीय किला कालोनी में एक मकान में चोरों द्वारा दिन-दहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। चोर मकान का ताला तोड़ कर कमरों में रखी पौने दो लाख रुपये नकदी व आभूषण चुरा ले गए। किला कालोनी निवासी नरेंद्र ने बताया कि वह पीवीसी का कार्य करता है जबकि उसकी पत्नी सुमिता एक निजी स्कूल में पढ़ाती है। शनिवार सुबह वे दोनों अपने-अपने काम पर चले गए थे। इसके बाद जब करीब पौने तीन बजे जब घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कमरे में रखी अलमारी का ताला टूटा हुआ है तथा सामान भी बिखरा पड़ा है। जब उन्होंने सामान का जायजा लिया तो पता चला कि अलमारी में रखी करीब पौने दो लाख रुपये की नकदी व सोने व चांदी के आभूषण चोरी हो गए।

जिले की तीन ग्राम पंचायतों में होंगे चुनाव

झज्जर। जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जिले के तीन ग्राम पंचायतों बादली, फैजाबाद और मौहम्दपुर माजरा में पंचायत उपचुनाव 2025 कराए जाएंगे। उपचुनाव के तहत 31 पंच पद और 1 पंचायत समिति सदस्य पद के लिए चुनाव कराए जाएंगे।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार, केस

बहादुरगढ़। एंटी व्हीकल थैफ्ट की टीम ने थाना लाइनपार एरिया से एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ काबू किया है। प्रभारी जमील खान ने बताया कि निजामपुर रोड पर रेलवे फाटक के नजदीक एक नौजवान लड़का पैदल आ रहा था। पुलिस को देखकर वह भागने लगा तो उसे काबू किया गया। शक के आधार पर तलाशी ली गई तो अंकित निवासी परनाला के पास एक अवैध हथियार और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

सोलर प्लेटों से डोरी काट ले गए चोर, केस दर्ज

झज्जर। क्षेत्र के गांव गुढ़ा में चोरों द्वारा खेत में सोलर प्लेटों से डोरी काटने की वारदात को अंजाम दिया गया है। पीड़ित किसान रामकुवार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने तथा उसके पड़ोसी रमेश, रामपत, महेन्द्र, तारीफ, सुमेर, बिजे आदि ने अपने खेतों मे सोलर प्लेट लगवाई हुई है। जिससे वे टयूबवैल चलाकर खेतों में सिंचाई करते हैं। जब वह शुक्रवार को खेत में गया वहां उसके खेत से सोलर प्लेटों में लगाई गई डोरी कटी हुई मिली। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के दसवीं की परीक्षा में बेटियों ने लहराया परचम

तानिया व रोमा ने प्रदेश में किया टॉप, ईशु तृतीय

झज्जर। शनिवार को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा घोषित किए गए दसवीं के परीक्षा परिणाम में क्षेत्र के गांव माजरा डी स्थित सीआर स्कूल की तीन छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पूरे क्षेत्र का नाम राज्यभर में रोशन किया है। छात्रा तानिया, रोमा ने टॉप वन में और छात्रा ईशु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस बेहतरीन परीक्षा परिणाम पर जहां स्कूल व अभिभावकों में खुशी का माहौल है। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना ने स्कूल परिसर में पहुंचकर छात्राओं को मिठाई खिलाते हुए उनका उत्साहवर्द्धन किया। स्कूल निदेशक जयभगवान ने तान्या और रोमा के टॉपर बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि इन होनहार छात्राओं ने अपनी अथक मेहनत के बल पर यह उपलब्धि हासिल कर उनके संस्थान का नाम प्रदेशभर में रोशन किया है।

झज्जर। होनहार छात्राओं को मिठाई खिलाते हुए जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना।

नेवी में ऑफिसर बनकर देश सेवा करना चाहती है रोमा

छात्रा रोमा ने बताया कि वह अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने अभिभावकों व शिक्षकों को देती है। जिनके कदम-कदम पर उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्हीं के सहयोग से वे इस मुकाम तक पहुंची है। उसका लक्ष्य है कि वह एनडीए पास कर नेवी में ऑफिसर बनाकर देश सेवा करे।

यूपीएसपी पास कर आईपीएस ऑफिसर बनना चाहती है तानिया

छात्रा तानिया ने बताया कि उनके शिक्षकों ने सदैव उसे प्रोत्साहित किया। यह मुकाम उनके शिक्षकों व अभिभावकों के सहयोग से हासिल हो पाया है। उसके माता-पिता ने भी उसका पूरा सहयोग करते हुए उसे पढ़ने के लिए एक उचित वातावरण मुहैया कराया। उसका सपना है कि वह यूपीएससी पास करके आईपीएस ऑफिसर बने।

इशु बोली- चिकित्सक बन करुंगी समाज की सेवा

प्रदेश में थर्ड पोजीशन हासिल करने वाली इशु ने बताया कि उसका सपना है वह आगे पढ़कर डॉक्टर बनें। उन्होंने विशेष रूप से प्रोत्साहित करने पर शिक्षका सुनीता व अपने माता-पिता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर बनकर समाजसेवा करना लक्ष्य है।

खेलों के साथ शिक्षा में भी बेटियां अव्वल

डीईओ राजेश खन्ना ने भी विद्यालय परिसर पहुंच कर शिक्षकों व अभिभावकों को बधाई देते हुए होनहार छात्राओं को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिले में बेटियों द्वारा किए गए इस उल्लेखनीय प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि हरियाणा की बेटियां सिर्फ खेलों में ही नहीं शिक्षा में अग्रसर हो रही हैं। आने वाले समय में ये होनहार बेटियां देश का भविष्य निर्धारित करेंगी।

मॉडल संस्कृति स्कूल का शानदार परिणाम

बहादुरगढ़। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल बहादुरगढ़ के छात्र-छात्राओं ने सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल में 12वीं कक्षा के 95 प्रतिशत से अधिक और दसवीं का शत प्रतिशत परिणाम रहा। दसवीं में कुणाल ने 95.8 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान, अमित ने 85 परसेंट के साथ द्वितीय स्थान और पलक कुमारी ने 84.8 फीसद अंक प्राप्त करके स्कूल में तृतीय स्थान प्राप्त किया। बारहवीं कक्षा की साइंस स्ट्रीम में प्रिंसी ने 463 अंक, कुणाल ने 456 अंक और अमन मिश्रा ने 446 अंक प्राप्त किए। कॉमर्स में युगांक राज ने 466 अंक, स्नेहा ने 414 और कार्तिक ने 413 अंक हासिल किए। आर्ट्स में हिमांशु शर्मा ने 452, फिरोज ने 446 और यश राज ने 432 अंक प्राप्त किए। प्रधानाचार्य मंजू रानी ने सभी स्टाफ सदस्यों की मेहनत की सराहना करते हुए सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

दीपाशा 492 अंकों के साथ दा हाइट्स में प्रथम

झज्जर। शनिवार को एचबीएसई द्वारा जारी दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में दा हाइट्स संस्थान के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। संस्था के निदेशक नवींद्र कुमार ने बताया कि उनकी संस्था की छात्रा दीपाशा ने 492 अंक प्राप्त कर संस्था में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा संस्था के तीन विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। जिया ने 97 प्रतिशत, रेशु ने 96 प्रतिशत, विदीत ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संस्था का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि 9 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक तथा 18 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। निदेशक नवींद्र कुमार ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आदर्श स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

झज्जर। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जहांगीरपुर के परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। विद्यालय के 118 विद्यार्थियों में से 41 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर मेरिट में स्थान बनाया। छात्रा लक्षिता ने 472 अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा इशिका ने 462, प्राची ने 461, इशु ने 455, हिमांशी ने 453, माही ने 449, राधिका ने 447, पंकज ने 445, लक्षिता ने 443, निष्ठा व सुष्मिता ने 431 जैसे बेहतरीन अंकों के साथ मेरिट में जगह बनाई। इस उपलब्धि पर स्कूल के प्राचार्य मदनलाल शर्मा तथा निदेशक कर्मबीर गुलिया ने स्टॉफ सदस्यों को बधाई देते हुए उत्तीर्ण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

संगीता 487 अंकों के साथ रही स्कूल में प्रथम

झज्जर। हरियाणा बोर्ड की दसवीं कक्षा के वार्षिक परिणाम में ज्ञान ज्योति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कासनी के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। निदेशक इंद्रजीत फौगाट ने बताया कि छात्रा संगीता ने 487 अंक लेकर विद्यालय में प्रथम, लक्ष्य ने 483 अंक लेकर द्वितीय और तान्या ने 460 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्था अध्यक्ष मंजीत फौगाट ने बताया कि कुल 26 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी जिसमें से 22 विद्यार्थियों ने मेरिट तथा बाकी सभी ने 70 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ परीक्षा पास की। शैक्षणिक डायरेक्टर नीलम फौगाट ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अध्यापकों को बधाई दी।

पीडीएम के श्लोक ने हासिल किए 99 प्रतिशत अंक

बहादुरगढ़। सीबीएसई द्वारा घोषित दसवीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम में पीडीएम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन दोहराया है। दसवीं में श्लोक शर्मा और 12वीं में यश दलाल ने सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं। प्रबंधन ने सभी स्टूडेंट्स को बधाई दी है। दसवी कक्षा में श्लोक शर्मा ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त करके स्कूल नाम रोशन किया। कुणाल राठी ने 93.8, युक्ति जून में 93.6, देव राठी ने 93.2 और तान्या में 92.8 फीसद अंक प्राप्त किए हैं। कुल 14 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। कक्षा 12वीं में यश दलाल ने 95.2 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। शिवम महेश्वरी ने 94.8, जोशिता ने 93.8, खुशी सहरावत ने 93.4, हंशिका में 92.6, आस्था ने 92 और हंशा हैदर ने 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। प्रधानाचार्या डॉ. सुमन हुड्डा ने सभी विद्यार्थियों को शानदार परिणाम के लिए बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने सभी अध्यापकों को भी उनके सफल मार्गदर्शन एवं मेहनत के लिए धन्यवाद दिया।

अभिलाष सुंदरम का त्रिवेणी स्कूल में हुआ अभिनंदन

बहादुरगढ़। यूपीएससी की परीक्षा उतीर्ण करने वाले अभिलाष सुंदरम का त्रिवेणी स्कूल में अभिनंदन किया गया। स्कूल स्टाफ ने यूपीएससी की परीक्षा में 129वां रैंक हासिल करने वाले अभिलाष का स्वागत व सम्मान किया। अभिलाष सुंदरम त्रिवेणी स्कूल के संचालक एस श्याम व संगीता वर्मा के सुपुत्र हैं और यहीं से उन्होंने स्कूली शिक्षा प्राप्त की है। अभिलाष ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव सांझा किए। अभिलाष ने बड़ी तल्लीनता व उत्साह से प्रश्नों के उत्तर दिए। उनके अनुसार जीवन लक्ष्य निर्धारित करते हुए एकाग्र होकर कड़ी मेहनत करना ही सफलता का आधार है। प्रिंसिपल अनिल कुमार ने अभिलाष को बधाई देते हुए बताया कि भारतीय सिविल सर्विस परीक्षा उतीर्ण करके उन्होंने स्कूल के साथ क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। उनकी सफलता में अभिभावकों की भी अहम भूमिका रही।

संस्कारम् पब्लिक स्कूल में मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

झज्जर। संस्कारम् पब्लिक स्कूल खातीवास में 10वीं व 12वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा, जेईई, नीट व एनडीए में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न उपलब्धियों के अंतर्गत कुल 120 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10वीं के 65 और कक्षा 12वीं के 31 विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। संस्कारम् ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने समारोह का शुभारंभ कर विद्यार्थियों को ट्रॉफी व नकद पुरस्कार से सम्मानित करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान बोर्ड परीक्षा में अलग-अलग संकाय जैसे साइंस, कॉमर्स व ह्यूमैनिटीज में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को 51सौ रुपये, दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 11सौ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। जबकि दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 21सौ रुपये तथा दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 11सौ रुपये की प्रोत्साहन राशि व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इनके अलावा एनडीए व जेईई के 22 विद्यार्थियों को भी प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि इस उल्लेखनीय प्रदर्शन से संस्थान के विद्यार्थियों ने न केवल विद्यालय का नाम रोशन किया है, बल्कि अपनी प्रतिभा से समाज के लिए एक प्रेरणा भी स्थापित की है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत के साथ अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर शिक्षक मौजूद रहे।

FOUNDATION PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO CBSE
AFFILIATION NO. 531762
JHAJJAR ROAD, BAHADURGARH (HR.) 124507
GIVE YOUR CHILD A RIGHT START
ADMISSION OPEN
for Class 11
KINDER GARTEN
PRE NURSERY
SENIOR SECONDARY
XII Standard CBSE Toppers 2024-25
UDDESHEYA KHANNA 92%
RUHANI 90%
YOGITA SHARMA 90%
X Standard CBSE Toppers 2024-25
PRASHANT 94.6%
KHUSHAAL RATHEE 93.4%
PAYAL 90.6%
SUBJECT TOPPERS
X- Prashant Eng. 94 Maths-93 Hindi-93 Sci-97 S.St.-96
X Khushaal Rathee S.St.-96 I.T.-99
XII-Himanshu Painting- 97
XII- Ruhani Painting-97 Hindi-84 Pol. Sci.-96
XII- Yogita Sharma Maths-94 C.S-95
XII-Uddesheya Physics-94 Phy. Edu.-94
SPORTS ACADEMY AVAILABLE
Football, Cricket, Basketball, Lawn Tennis, Table Tennis, Volleyball, Skating.
SCHOLARSHIP FOR CLASS 11 STUDENTS
95% and Above Full Fee Concession.
85% and Above Half Fee Concession.
Primary Wing featuring Smart Classes and Air Conditioned Classrooms.
www.foundationpublicschoolb.garh@gmail.com
foundationpublic
+91 9671954747
+91 8307856950

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 18 मई 2025

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

कुछ समय पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने डिजिटल डिवाइसेस की लत को दुनिया भर में एक चिंताजनक समस्या बताया है। हर उम्र के लोग इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे न केवल उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, लोग अनिद्रा के भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम इस लत की गंभीरता को समझें और इससे बचने के लिए हर संभव प्रयास करें।

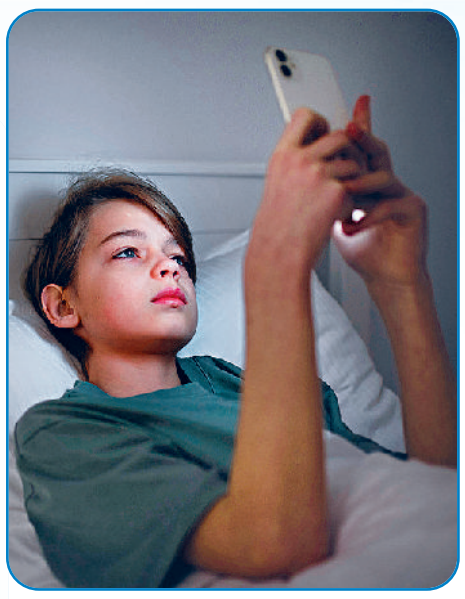

डिजिटल डिवाइसेस की लत
उड़ रही नींद-बिगड़ रही सेहत

हाल में फ्रंटियर्स इन साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बिस्तर पर जाने के बाद एक घंटे तक स्क्रीन देखते हुए बिताने से अनिद्रा के लक्षण 59 प्रतिशत तक बढ़ जाने की संभावना होती है। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट के साथ समय बिताने से नींद का टाइम पीरियड भी 24 मिनट कम हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि चाहे सोशल मीडिया पर समय बिताएं, रील्स देखें या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किसी तरह का कंटेंट देखा जाए, सोने से पहले स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी में बिताया जाने वाला समय ही मायने रखता है। माध्यम कोई भी हो, स्क्रीन टाइम अब लोगों की नींद को डिस्टर्ब करने वाली बड़ी वजह बन रहा है।

नींद पर पड़ रहा बुरा असर

रात के समय लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की कई वजहे हैं। इनमें से एक वजह यह है कि दिन भर घर-दफ्तर की भाग-दौड़ के बाद रात को आराम का समय मिलने पर अधिकतर लोग स्क्रीन में ही झांकते रहते हैं। मेल, मैसेज या दूसरी जानकारियां देखने के साथ ही रात को सोने से पहले बहुत सा समय सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग, रील्स और अलग-अलग तरह का कंटेंट देखने में भी लोग यूज करते हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे डिजिटल डिवाइस अब बेडरूम में भी यूज किए जाते हैं। जिसके चलते कमोबेश हर उम्र के लोगों के सोने के समय का कुछ हिस्सा स्मार्ट डिवाइसेस के नाम हो गया है। हालिया अध्ययन कहता है कि स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा होता है, नींद उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है।

दूरी बनाना है जरूरी

उक्त शोध के अध्ययनकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। असल में अच्छी नींद के लिए मन-मस्तिष्क का शांत रहना आवश्यक है। सोने से पहले देखा गया कंटेंट कई बार मानसिक उद्वेलन का भी कारण बनता है। इतना ही नहीं स्क्रीन स्क्रॉलिंग के कारण हुई आंखों और दिमाग की थकान भी ठीक से नींद आने में बाधा बनती है। समझना जरूरी है कि नींद चुराने वाली यह जीवनशैली सोने-जागने का पूरा पैटर्न ही बिगाड़ रही है। यही वजह है कि नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा 45,202 वयस्कों पर किए गए सर्वे के नतीजों को गंभीरता से लेना जरूरी है। बिस्तर पर जाने के बाद मोबाइल के यूज से अनिद्रा के जोखिम यानी इनसोमनिया से बचने के लिए स्क्रीन से दूरी बनाने के नियम बनाना और गंभीरता से उनका पालन करना बेहद जरूरी है।

हेल्थ भी होती है प्रभावित

स्मार्ट स्क्रीन की ब्लू लाइट से नींद की गुणवत्ता तो खराब होती ही है, दिनचर्या भी बिगड़ जाती है। ठीक से आराम न मिल पाने के कारण डेली रूटीन ही नहीं, दिलो-दिमाग भी अस्त-व्यस्त रहते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के हर पहलू पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हर दिन सोने के समय में होने वाली यह अनचाही कटौती बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाती है। ये कंडीशंस हार्ट प्रॉब्लम्स, डायबिटीज, मोटापा, डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप जैसी कई परेशानियों को बढ़ाती हैं। थका हुआ शरीर और उलझा सा मन जीवन से जुड़ी दूसरी जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बाधा बनता है। गैजेट्स की लत लग जाने के बाद स्क्रीन से दूरी मन में हताशा, असमंजस और बेचैनी भर देती है। वहीं नींद की कमी से बनी इस मनःस्थिति से या तो बार-बार कुछ खाते रहने की आदत लग जाती है या भूख कम हो जाती है।

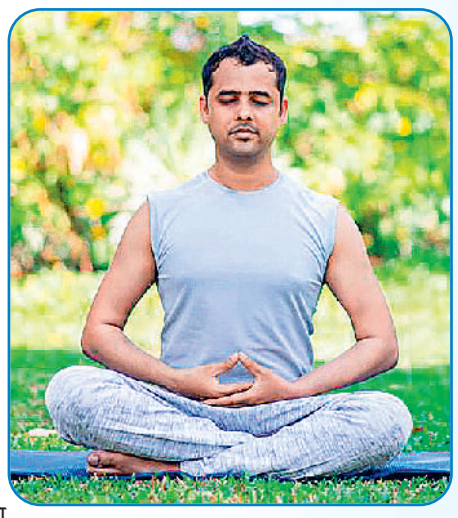

किशोरों और युवाओं में तो नींद की कमी हार्मोन असंतुलन की बड़ी वजह बनती है, जिससे कम उम्र में ही ओबेसिटी की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से आराम न मिलने और सुकून की नींद लेने के समय भी स्क्रीन पर कंटेंट देखते रहने से याददाश्त भी कमजोर होती है। किसी भी काम में फोकस करने की क्षमता घटती है। उलझे-बिखरे से रूटीन में क्रोध, स्ट्रेस और अजीबो-गरीब ढंग से मूड का बदलना परेशानियों को बढ़ाता जाता है। ध्यान रहे कि सोने के समय की अवधि और गहरी नींद शरीर के लिए स्वयं अपनी संभाल-देखभाल करने का समय होता है। हमारी बॉडी खुद को रिपेयर करती है। अगले दिन की भाग-दौड़ के लिए मन-मस्तिष्क और शरीर तैयार होते हैं। सुकून से और सही समय तक सोना हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। ऐसे में अपनी सेहत बचाने और दिनचर्या साधने के लिए सोते समय स्मार्ट गैजेट्स से दूरी बना लेना ही सही है। अगले दिन की स्फूर्ति भरी शुरुआत के लिए सोने के पहले का टाइम अपनों से संवाद, किताब पढ़ने या मेडिटेशन में लगाएं। दिन में भी जब समय मिले स्मार्टफोन और लैपटॉप में बिजी रहने के बजाय योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है।

डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

डब्ल्यूएचओ ने भी डिजिटल एडिक्शन से पूरी दुनिया के लोगों को आगाह किया है, क्योंकि हद से ज्यादा ऑनलाइन एक्टिविटीज और इंटरनेट का उपयोग दिन में टाइम मैनेजमेंट, ऊर्जा को सही दिशा देने और फोकस्ड रहने में असमर्थता और रात में नींद का पैटर्न बिगाड़ने या इनसोमनिया पैदा करने का कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि डिजिटल होती जीवनशैली में तकनीक से मिली सुविधाएं अनुशासित होकर इस्तेमाल की जाएं। मनोरंजन, सूचनाएं, शिक्षा, काम-काज या सोशल मीडिया मंचों पर मौजूदगी, हर मामले में स्क्रीन की दुनिया से जुड़ते हुए संतुलन साधा जाए। तकनीक से घिरी आज की जिंदगी में कम से कम अपने बेडरूम को स्क्रीन-फ्री जोन जरूर बनाएं। याद रहे कि अपने लिए यह सीमा हमें खुद ही तय करनी है। *

खुद करें हैबिट कंट्रोल

आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल की गई कोई भी चीज नुकसानदेह ही होती है। तकनीक के मामले में भी यह बात लागू होती है। वर्चुअल व्यस्तता के इस दौर में स्क्रीन स्क्रॉलिंग को हैबिट बना लेने, डिजिटल डिवाइसेस पर हद से ज्यादा निर्भर हो जाने के कई खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। खासतौर पर नींद की कमी की वजह से मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बहुत नुकसान होता है। इस हैबिट की वजह से हर उम्र के लोगों में शारीरिक व्याधियां और मनोवैज्ञानिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वयस्क लोग तमाम व्याधियों के शिकार हो रहे हैं तो बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस रहे हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अनिद्रा और बेचैनी लोगों के मन-मस्तिष्क को घेर रही है। यूके के फीलगुड कॉन्टैक्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्क्रीन टाइम की बढ़ोतरी और नजर की कमजोरी में भी गहरा संबंध देखा जा रहा है। आंखों की रोशनी कम होने और नजर खराब होने की शिकायत के मामले में भारत दुनिया की सूची में सबसे पहले स्थान पर है। करीब 27.5 करोड़ भारतीय यानी हमारी आबादी का करीब 23 प्रतिशत, बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से नजर की कमजोरी से जूझ रहा है।

सोशल मीडिया पर बढ़ रही
प्रोफाइल लॉकिंग की टेंडेंसी

कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया को ओपेन ग्लोबल डिजिटल प्लेटफॉर्म माना जाता था। लेकिन अब अनेक वजहों से लोगों में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। इस ट्रेंड के बढ़ने की क्या वजहें हैं? इस सोशल मीडिया ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोट्रेंड
नरेंद्र शर्मा

आजकल सोशल मीडिया में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। पहले आमतौर पर महिलाएं ही अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखती थीं, लेकिन अब बहुत तेजी से यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी बढ़ी है। सवाल है, एक ओपेन प्लेटफॉर्म के तौर पर जिस सोशल मीडिया का आगाज हुआ था, अचानक बीते एक-दो सालों में ऐसा क्या हुआ है कि जिसे देखो वही अपनी प्रोफाइल लॉक किए दे रहा है? सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर इस कदर सजगता बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह कोई साइकोलॉजिकल सिंड्रोम है या कोई नई पैदा हुई ऐसी इमोशनल इनसिक्योरिटी है, जो अबके पहले इस स्तर पर नहीं थी?

वजहें हैं कई: अगर इस ट्रेंड पर गहराई से सोचें तो यह बिना किसी मकसद के घट रही घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कई किस्म के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े कारण जिम्मेदार हैं। भले इसे साइकोलॉजिकल सिंड्रोम कहना सही न हो, लेकिन इस प्रवृत्ति में भावनात्मक असुरक्षा, प्राइवेसी की बढ़ती चिंता जैसी कई बातें शामिल हैं। इनके अलावा साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल और डेटा चोरी से जुड़ी चिंताएं भी हैं। आजकल डीपफेक और फोटो मॉर्फिंग जैसे मामलों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। अनजान लोगों द्वारा प्रोफाइल तस्वीरों का गलत इस्तेमाल, डिजिटल स्टॉकिंग और साइबरबुलिंग का भी डर है। ये सब ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई लोग सोशल मीडिया पर अब अपनी निजी जिंदगी को ज्यादा एक्सपोज करने से बच रहे हैं। इनके प्रोफाइल लॉक करने से ये संकेत मिलते हैं कि वे केवल करीबी लोगों के बीच ही सीमित रहना चाहते हैं।

लोग चाहते हैं डिजिटल डिटॉक्स: लोगों में बढ़ते इस ट्रेंड की एक वजह डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक शांति की चाहत भी है। ऐसे लोग अपनी ओपेन प्रोफाइल रखकर बार-बार लाइक्स, कमेंट्स और स्टोरीज के रिएक्शन पर ध्यान देने की बजाय अपनी डिजिटल मौजूदगी को सीमित कर रहे हैं। कुछ लोगों के मुताबिक इसकी एक वजह सोशल मीडिया का बदलता पैटर्न भी है। पहले लोग खुली प्रोफाइल रखते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी पोस्ट देखें। लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है और 'एक्सक्लूसिविटी' बढ़ रही है। लोग अब यह दर्शाना चाहते हैं कि वे हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे एक अलग तरह की सोशल स्टेटस सिग्नलिंग होती है कि 'मैं केवल अपने करीबी लोगों के लिए हूं।'

डिजिटल प्राइवेसी को लेकर बढ़ी एलर्टनेस: मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रवृत्ति में एक किस्म की 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' साइकोलाजी भी छिपी है। जब लोग देखते हैं कि उनके ज्यादातर दोस्त या जानने वाले अपनी प्रोफाइल लॉक कर रहे हैं, तो वे भी ऐसा करने लगते हैं। यह एक तरह की 'डिजिटल हर्ड मेंटेलिटी' है। लोगों को लगता है कि अगर वे अपनी प्रोफाइल ओपेन रखेंगे तो वे अलग नजर आएंगे या उनकी डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह एक साइको सिंड्रोम से कहीं ज्यादा सामाजिक प्रवृत्ति और डिजिटल सुरक्षा की बढ़ती जागरूकता का संकेत है। हालांकि इसमें भावनात्मक असुरक्षा और सोशल मीडिया की बदली हुई डायनामिक्स का भी बड़ा योगदान है। यह दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर ज्यादा सतर्क हो रहे हैं। कह सकते हैं कि यह एक सोशल ट्रेंड और डिजिटल सिक्योरिटी की बढ़ती एलर्टनेस का संकेत है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर कहीं ज्यादा एलर्ट हो रहे हैं।

मॉनिटरिंग-ट्रैकिंग भी है जिम्मेदार: सोशल मीडिया पर प्रोफाइल लॉक करने के पीछे विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की जाने वाली मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग का भी असर है। सोशल मीडिया पर 'संदिग्ध' या 'एंटी-नेशनल' कंटेंट पोस्ट करने वालों को ट्रैक किया जाता है, इसके कारण भी लोगों को बहुत डर लगने लगा है कि अगर किसी ने उनके एकाउंट को हैक कर मिसयूज किया तो वे फंस सकते हैं। इस कारण आम लोग भी अब बहुत सतर्क हो गए हैं और अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखना सही समझते हैं। कई लोग 'डिजिटल लिंचिंग' से बचने के लिए अपनी प्रोफाइल लॉक कर देते हैं ताकि कोई उनके पुराने पोस्ट न खोज सके। कुछ बैंकिंग और वित्तीय कारण भी हैं, क्योंकि आधार, बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी आदि से जुड़ी जानकारी लीक होने का डर तेजी से बढ़ रहा है।

उभर रहा डिजिटल अंडरग्राउंड: इस बढ़ते ट्रेंड की वजह से लगता है, जैसे धीरे-धीरे सोशल मीडिया, ओपन से क्लोज्ड स्पेस की ओर बढ़ रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग प्राइवेट ग्रुप्स, टेलीग्राम चैनल्स और एनक्रिप्टेड चैट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉक प्रोफाइल एक नए डिजिटल अंडरग्राउंड की तरह उभर रही है। डिजिटल अंडरग्राउंड यानी, एक ऐसी ऑनलाइन दुनिया, जो मुख्यधारा के खुले इंटरनेट से कटकर निजी, हिडेन और प्रोटेक्टेड प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो रही है। *

गजल
अब्दुल कलाम

...जो होना था

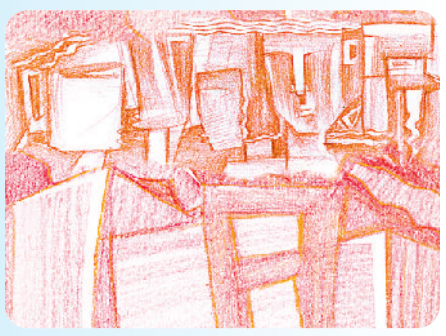

लाख चाहा मगर हुआ वही जो होना था
अपनी तकदीर में लिखा फकत रोना था
किसी को हासिल थे तख्त व ताज यहां
कहीं फुटपाथ पर अखबार ही बिछौना था
सुनकर ही कलेजा मुंह को आ गया
मंजर आतंक का कुछ इस कदर घिनौना था
तब कहीं जाकर दुआ कबूल होती
अपना दामन हमें आसुओं से भिगोना था
बरसात में टपकती हुई छत के नीचे
नहीं महफूज घर में कोई कोना था
उन्हें सुविधा मिली और वे ही नामवर हुए
जिनको इस जहां में नफरत की फसल बोना था

कहानी / सुधा रानी तैलंग

चौकीदार अम्मा

एक बिल्डर के यहां चौकीदारी करने वाली बूढ़ी अम्मा का एक बेटा तो था, लेकिन वह उनसे अलग रहता था। हालांकि कहने को अम्मा जी की देख-भाल करने वाले बहुत से अपने लोग थे, लेकिन सच यही था, वह एक पीड़ा के साथ अपनी जिंदगी जी रही थीं। एक मर्मस्पर्शी कहानी।

ठिगना कद, घुंघराले बाल, गेहुंआ रंग, चश्मे से झांकती हुई अनुभवी आंखें, लांगदार किनारे वाली साड़ी, पैरों में मर्दाना जूते और हाथ में बड़े डायल की पुरानी घड़ी, चौकीदार अम्मा की यही पहचान थी। उनका नाम तो शायद किसी को भी पता नहीं था, लेकिन पूरी कॉलोनी में वह चौकीदार अम्मा के नाम से ही पहचानी जाती थीं।

छत्रसाल कॉलोनी में एक बिल्डर के यहां अम्मा चौकीदारी का काम बरसों से कर रही थीं। बिल्डर के जितने भी प्रोजेक्ट होते थे, उन सबकी जिम्मेदारी वह एक बुजुर्ग महिला होने के बाद भी पूरी कर्मठता से निभा रही थीं। पैंसठ साल की उम्र में भी अम्मा में गजब की फुर्ती और आवाज में रौब था। उनकी एक ही आवाज से मजदूरों के रुके हुए हाथ काम करना शुरू कर देते थे। लेकिन मजदूर उनकी बहुत इज्जत भी करते थे। कितना सीमेंट, पत्थर, चूना, ईंटें में खर्च हो रहा है, इसका हिसाब मुंह जुबानी बता देती थीं। अम्मा कभी स्कूल नहीं गई थीं, लेकिन हिसाब-किताब में वह पढ़े-लिखे लोगों को भी मात कर देती थीं। अम्मा के कहने को तो एक बेटा था, वह अच्छी नौकरी में था, किंतु शादी के बाद वह अलग रहने लगा। एक ही घर में बहू-बेटे से अलग रहना स्वाभिमानी अम्मा को गवारा नहीं हुआ, वह अपना घर छोड़ कर चुपचाप चली आईं। अम्मा बताया करती हैं कि उनके पति प्राइवेट नौकरी में थे। अचानक ही एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। बेटा अमर जब तक स्कूल में पढ़ता रहा। उन्होंने घरों में काम-काज करके बेटे को पढ़ाया-लिखाया। बेटे की नौकरी लगने के बाद उसकी शादी भी कर दी, यही सोचकर कि अब उनके सुख के दिन आएंगे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद बहू ने उनसे स्पष्ट शब्दों में ही कह दिया कि वह उनके साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी। बेटे की खुशी के लिए उन्होंने अपना ही घर-बार छोड़ दिया और एक बिल्डर के यहां काम करने लगीं। अपनी ईमानदारी और मेहनत के बल पर अम्मा चौकीदारी के साथ दूसरे और कई काम भी संभालती थीं। बिल्डर को उन पर बहुत विश्वास था।

कॉलोनी के कोने के एक खाली प्लॉट में अम्मा का टीन शेड वाला एक कमरा था, उसमें एक मूंज की बुनी हुई खाट, प्लास्टिक की कुर्सी, छोटा-सा एक बर्नर वाला गैस का चूल्हा, कुछ बर्तन, रस्सी में टंगे कपड़े ओर एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर ही अम्मा की पूंजी थी। ट्रांजिस्टर से उनको बहुत लगाव था। सुबह छह बजे से उसमें चिंतन, भजन, हनुमान चालीसा के अलावा बुंदेलखंडी लोकगीतों को सुनते हुए आठ बजे तक उनकी काम में जाने की तैयारी हो जाती। दिन भर बिल्डर के यहां काम करने के बाद शाम को जब काम खत्म हो जाता, अम्मा अपने कमरे में आकर खाना बनातीं और खाना खाकर सामने के पार्क में जाकर बैठ जातीं।

अम्मा के वहां पहुंचते ही बच्चों की भीड़ उनको घेर लेती। अम्मा उन्हें कभी परियों की कहानी सुनातीं तो कभी भक्त प्रह्लाद, ध्रुव, राम, कृष्ण, बाल गणेश की कथाएं सुनातीं तो कभी झांसी की रानी, दुर्गावती, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, की जीवन गाथा सुनातीं। कई बार बच्चों को भी ताज्जुब होता था कि लोग तो कहते हैं कि अम्मा पढ़ी-लिखी नहीं हैं फिर भी इनको इतना ज्ञान कैसे है? अम्मा कॉलोनी के बच्चों की बेस्ट फ्रेंड की तरह थीं।

उनकी एक ही आवाज में बच्चे इकट्ठे हो जाते थे। कई बार तो कॉलोनी की औरतें अम्मा से कहतीं, 'अम्मा जी, आपने पता नहीं क्या जादू कर रखा है बच्चों पर, ये हमारा तो कहना ही नहीं मानते और आपकी हर बात खुशी-खुशी मानते हैं। कुछ महिलाएं तो अम्मा से अपने बच्चों की शिकायत करतीं, 'अम्मा आपका लाडला जब देखों तब पिज्जा, बर्गर, मोमोज ही खाने की जिद करता है, अब आप ही इसे समझाइए।' फिर अम्मा बड़े प्यार से बच्चों को समझातीं, 'देखो बच्चो, तुम पिज्जा, बर्गर और मोमो खाओगे तो कैसे स्वस्थ रहोगे। तुम्हें तो हरी सब्जी, फल, दूध और घर का ही बना खाना चाहिए। पौष्टिक खाना खाओ, खूब खेलो और खूब पढ़ो। अपनी अम्मा की बात मानोगे तो मजे से रहोगे।' ये सुनते ही बच्चे समवेत स्वर में बोलते, 'जरूर मानेंगे।'

अगर एक दिन भी अम्मा रात को पार्क में नहीं पहुंचतीं तो बच्चे उनको बुलाने उनके कमरे में पहुंच जाते। किसी दिन अम्मा जरा भी बीमार हो जातीं तो कोई बच्चा उनके लिए दवाई, तो कोई चाय, दूध और खाना लेकर पहुंच जाता। बच्चों का इतना प्यार देख कर अम्मा की आंखों में भी आंसू आ जाते। उन्हें अपने बेटे की याद आ जाती। एक दिन पता चला कि बिल्डर के प्रोजेक्ट का काम पूरा होने वाला है। कॉलोनी में सभी को चिंता थी कि काम पूरा होते ही बिल्डर के दूसरे प्रोजेक्ट की साइट पर अम्मा भी यहां से चली जाएंगी।

अम्मा के बिना तो कॉलोनी ही सूनी हो जाएगी। उनके बच्चों को जो संस्कार, प्यार, अपनापन मिल रहा है, वो अम्मा के जाने के बाद कहां मिल पाएगा।

गर्मियों के दिन थे। सुबह का वक्त था। अचानक ही चक्कर खाकर चौकीदार अम्मा बिल्डिंग की सीढ़ियों से गिर गईं। बिल्डर ने तुरंत उनको हॉस्पिटल पंहुचाया। अम्मा के हाथ में फ्रेक्चर था। बिल्डर के साथ-साथ कॉलोनी के सभी बच्चों के परिवार वालों ने भी उनके इलाज में कोई कमी नहीं रखी। जब तक अम्मा आईसीयू में रहीं, तब तक कॉलोनी के सारे बच्चे शिव मंदिर में भगवान से उनके ठीक होने की मन्नत मानते रहे। अम्मा के ठीक होने पर बच्चों की टोली अम्मा से मिलने हॉस्पिटल पहुंच गई। नींद में उनके मुंह से कई बार अमर शब्द सुनकर डॉक्टर ने पूछा, 'यह अमर कौन है?'

किसी ने बताया कि उनका बेटा है। डॉक्टर ने एक बार उन्हें बुलाने को कहा। कॉलोनी के बच्चों ने बिल्डर से पूछ कर अम्मा के बेटे अमर का पता लगाया। वे उसके पास गए। उन्होंने अम्मा के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बारे में बताया, उससे रिक्वेस्ट की, वह अम्मा के पास चलें। छोटे-छोटे बच्चों के आग्रह ने असर दिखाया। अमर सोचने लगा कि छोटे-छोटे पराए बच्चों को भी कुछ ही समय में मां ने प्यार से अपना बना लिया है। एक वह है, बाबूजी के जाने के बाद मां ने मेहनत, मजदूरी करके उसे पढ़ाया-लिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया। अपनी शादी की, शादी के बाद वह स्वार्थ में इतना अंधा हो गया कि अपने फर्ज को भूल गया। अपनी गलती पर अमर मन ही मन में बहुत शर्मिंदा था।

अमर की पत्नी ने अमर से कहा, 'देर मत करो। अम्मा जी के पास चलो।' अमर पत्नी और अपने बेटे बंटी के साथ हॉस्पिटल गया। अम्मा ने जब उनको देखा तो वह खुशी से रो पड़ीं। बेटे, बहू ने अम्मा से माफी मांगी। अम्मा ने उनको गले लगा लिया। बेटे के साथ अपने पोते बंटी को देखते ही उनकी आधी बीमारी तो ठीक हो गई। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलते ही अमर अम्मा को अपने साथ ले गया। सबकी आंखों में आंसू थे।

जो काम बरसों तक अम्मा खुद नहीं कर पाईं, वो छोटे-छोटे बच्चों ने कर दिखाया। कॉलोनी से जाते वक्त अम्मा के हाथ में ढेर सारे गिफ्ट थे, जो बच्चों ने मिलकर अपनी प्यारी अम्मा को दिए थे। जाते-जाते बच्चों ने अम्मा से रिटर्न गिफ्ट में एक प्रॉमिस लिया कि वह हर रविवार को उनसे मिलने जरूर आएंगी। अम्मा के चले जाने के बाद कॉलोनी सूनी वीरान-सी हो गई, लेकिन वो बच्चों से मिलने रविवार के दिन पार्क में आतीं। तब पूरी कॉलोनी अम्मा की कहानियों के बोल के साथ, बच्चों के ठहाकों से गूंज उठती थी। *

कैनकुन अंडरवाटर म्यूजियम मैक्सिको

कैनकुन (मैक्सिको) के आस-पास समुद्र तल में वर्ष 2009 में तैयार किए गए इस म्यूजियम 'म्यूसियो सबकोटिको दे आटे' यानी मूसा नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे कलाकार जेसन डिक्लेयर टेलर की सोच है। उन्होंने यहां प्रदर्शित 500 मूर्तियों को आर्टिफिशियल रीफ की मदद से बनाया है। यह न सिर्फ देखने में अद्भुत हैं, बल्कि समुद्री जीवन के लिए एक नया इकोसिस्टम भी बनाती हैं। इन मूर्तियों ने समुद्र तल को एक अद्भुत दृश्य में बदल दिया है, जिसे देखने पर ऐसा लगता है मानो मनुष्य और प्रकृति आपस में घनिष्ठता से जुड़े हों। यहां आने वाले लोग ग्लास बॉटम बोट्स, स्नोर्केलिंग या स्कूबा डाइविंग के जरिए इसे देख सकते हैं। *

ये हैं दुनिया के अनोखे म्यूजियम

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा }

म्यूजियम, सभ्यताओं के विकास, इतिहास, कला-संस्कृति के संरक्षण के केंद्रस्थल होते हैं। आज इंटरनेशनल म्यूजियम-डे के अवसर पर, दुनिया भर में मौजूद करीब 38 हजार म्यूजियम्स में से अपनी तरह के कुछ अनोखे म्यूजियम्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

म्यूजियम ऑफ ब्रोकन रिलेशनशिप क्रोएशिया

इस म्यूजियम का कॉन्सेप्ट है-टूटे हुए रिश्ते की कहानी बयां करना। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेव में स्थित इस म्यूजियम में दुनिया भर के लोगों द्वारा दान की गई उन वस्तुओं (अंगूठी, कपड़े, उपहार) का कलेक्शन है, जो उनके टूटे हुए रिश्तों की यादगार हैं। हर वस्तु के साथ एक नोट लिखा हुआ है, जिसमें उस वस्तु और उससे जुड़े किस्से का विवरण दिया गया है। माना जाता है कि ऐसा करने से उन्हें अपने बिखरे हुए मन को हल्का करने का मौका मिलता है। *

वेंट हेवन म्यूजियम अमेरिका

अमेरिका के केंटकी में स्थित इस म्यूजियम को डमी (पुतलों) म्यूजियम के नाम से भी जाना जाता है। विलियम शेक्सपीयर बर्जर ने 1910 में टॉमी बेलॉनी नामक आर्टिस्ट की पहली डमी खरीदी थी। 1962 में डमीज के कलेक्शन को रखने के लिए म्यूजियम बनाया गया। इस म्यूजियम में 800 से ज्यादा डमियों, तस्वीरों, प्लेविल्स, किताबों का कलेक्शन है। हर साल यहां एक कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जाती है, जिसमें शामिल होने दुनिया भर के विशेषज्ञ आते हैं। *

सुलभ इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ टॉयलेट भारत

भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित यह म्यूजियम टॉयलेट के विकास, डिजाइन और स्वच्छता के इतिहास को समर्पित है। इसकी स्थापना 1992 में सुलभ इंटरनेशनल नामक एक गैर-सरकारी संगठन ने की थी। इसमें 50 से अधिक देशों के शौचालयों और उनसे जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें प्राचीन काल (2500 बीसी) से लेकर आधुनिक समय तक के टॉयलेट शामिल हैं। राजा लुई द्वारा दरबार में इस्तेमाल की जाने वाली टॉयलेट सीट की रेप्लिका, सोने से जड़े टॉयलेट, आधुनिक काल के विभिन्न डिजाइन के टॉयलेट प्रदर्शित किए गए हैं। इस म्यूजियम में टॉयलेट पर लिखी कविताओं का कलेक्शन भी है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। *

म्यूजियम ऑफ ह्यूमन डिजीज ऑस्ट्रेलिया

यह एक पैथोलॉजिकल म्यूजियम है। यहां तकरीबन दो हजार मानव शरीर के विभिन्न अंगों और ह्यूमन टिशूज को प्रिजर्व किया गया है। इन्हें मनुष्य के ब्रेन डेड की स्थिति में या पोस्टमार्टम के दौरान ऑपरेशन करके इकट्ठा किया गया है। यहां रखे गए मानवांगों का अपना इतिहास है, जिनमें कुछ सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। इनका इस्तेमाल कई बीमारियों के लिए रिसर्च करने के लिए किया जाता है। पर्यटकों को यहां अच्छी लाइफस्टाइल के बारे में काफी जानकारी मिलती है। यहां मेंटल हेल्थ, स्मोकिंग-एल्कोहल, ड्रग जैसे विषयों पर समय-समय पर प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। *

इंटरनेशनल स्पाई म्यूजियम अमेरिका

वाशिंगटन में स्थित यह म्यूजियम जासूसी की कलाकृतियों का दुनिया में सबसे बड़ा संग्रह है। यहां जासूसी प्रोफेशन के इतिहास, तकनीकों, छोटे कैमरे, स्पाई गैजेट्स, कोड ब्रेकर मशीन जैसे उपकरणों, हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। ये मानव की सोचने-समझने की क्षमता और जासूसों की भूमिका को दर्शाती हैं। यहां पर्यटक जासूसी एडवेंचर्स में हिस्सा लेकर दुनिया भर के जासूसी फोटो, वीडियो और कहानियों के बारे में जान सकते हैं। *

द डॉग कॉलर म्यूजियम इंग्लैंड

इस म्यूजियम की स्थापना के पीछे लीथ कैसल की मालकिन लेडी बेली का डॉग्स के प्रति प्रेम रहा है। इस म्यूजियम में दुनिया के अद्भुत डॉग्स कॉलर देखने को मिलते हैं। यहां 130 से ज्यादा दुर्लभ और मूल्यवान डॉग्स कॉलर प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें आयरिश स्कॉलर जॉन हंट और उनकी वाइफ ने एकत्रित किया था। शाही हीरे जड़े कॉलर से लेकर पांच शताब्दियों पुराने सबसे छोटे, सबसे फैशनेबल बो टाई तक यहां रखे गए हैं। यह म्यूजियम इंसान और डॉग के रिश्ते के विकास को भी दर्शाता है। *

जिस तरह हर कंपनी का समय-समय पर ऑडिट करके उसकी प्रोग्रेस को एनालाइज किया जाता है, उसी तरह हमें अपनी लाइफ का भी ऑडिट करते रहना चाहिए। इसका क्या प्रोसेस है और इससे क्या फायदे होते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

क्या आप भी करते हैं अपनी लाइफ का ऑडिट

{ लाइफस्टाइल / अंजू जैन }

अगर आपको अकसर लगता है कि आपकी जिंदगी में कहीं कोई प्रोग्रेस नहीं नजर आ रही है। आप जिंदगी को जी नहीं रहे, बस इसे बिता रहे हैं। अगर ऐसा है, तो यह वक्त है सेल्फ रिव्यू का यानी अपनी लाइफ को ऑडिट करने का। इससे आपको अपनी कमियां पता चलेंगी, जिससे उन्हें आप दूर कर पाएंगे।

बनाएं लाइफ की ऑडिट रिपोर्ट: एक डायरी में अपने लक्ष्य, उद्देश्य और प्राथमिकताओं को नोट करें। अब इसी डायरी में अब तक आपने क्या खोया और क्या पाया, यह भी लिखें। आपने जो खोया उससे क्या सबक सीखा, ये भी लिखें और कौन-सी गलतियां नहीं दोहरानी हैं, यह भी। जिंदगी का यह हिसाब-किताब आपको न सिर्फ आत्म मूल्यांकन का मौका देगा बल्कि आपको बेवजह की उलझनों और बाहरी व्यवधानों से प्रभावित होने से भी बचाएगा। यह क्रम एक रुटीन में होना चाहिए, जिसे आप हर तिमाही में जरूर करें। साल में कम से कम दो बार यह काम जरूर होना चाहिए। अगर आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीना चाहते हैं, तो यह ऑडिट जरूरी है।

ईमानदारी से करें सेल्फ रिव्यू: 'देवी, दिवा ऑर शी-डेविल' और 'द स्मार्ट करियर वुमेंस सर्वाइवल गाइड' की लेखिका सुधा मेनन कुछ साल पहले एक बार अपने जीवन से पूरी तरह परेशान और असंतुष्ट हो गई थीं। अपने जीवन की समीक्षा करने पर उन्होंने पाया कि उनकी जिंदगी ओवर वर्क, थकान, बोरियत और पति की उदासीनता का शिकार हो चुकी थी। दरअसल, पति बेहद सज्जन थे और कम बोलते थे। सुधा को लगा कि वे उनके प्रति उदासीन हैं। उन्होंने पति से खुलकर बात की, तो समस्या हल हो गई। वह वक्त उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट था। मेनन कहती हैं, 'लेकिन आत्मसमीक्षा के लिए और लाइफ ऑडिट के लिए आपका ईमानदार और साहसी होना जरूरी है। तभी आपको सही नतीजे मिलेंगे। अगर आप हर वक्त अस्त-व्यस्त रहते हैं, लगातार काम के बोझ से दबे रहते हैं, पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा नहीं कर पा रहे और न ही अपने नजदीकी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं, तो फिर समझ लीजिए कि आपको अपनी प्राथमिकताओं की समझ नहीं है। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों और लक्ष्य की एक स्पष्ट सूची बनाकर रखें। इस आत्मसमीक्षा में आपको खुद के प्रति बेहद ईमानदार रहना होगा।

पूर्वाग्रहों से बचिए: कई बार हम जिंदगी को लेकर एक रटी-रटाई सोच अपना लेते हैं। अपनी विचारधारा बदलने को तैयार नहीं होते हैं। जैसे दुनिया कंप्यूटर पर काम कर रही है, तो भी आप टाइपराइटर के पीछे पड़े हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों से आपके मन में जड़ता आ जाती है।

फालतू चीजों को हटाएं: लाइफ ऑडिट के दौरान खुद से कुछ सवाल पूछें जैसे- क्या मैं वही कर रहा हूं, जो मैं अपने जीवन से चाहता हूं? क्या मैं अपनी जिंदगी से संतुष्ट हूं? इन सवालों से जो जवाब मिलें उनसे आपको पता चल जाएगा कि आप आधी से ज्यादा बेकार चीजों के पीछे भागते रहे हैं और इसीलिए आपकी जिंदगी इतनी उलझी हुई और दुश्वार है। ऐसी सब चीजों को अपनी 'टू डू लिस्ट' से हटा दें। 'द लाइफ ऑडिट' की लेखिका कैरोलीन राइटन कहती हैं, 'इससे आपको अपनी जीवन यात्रा को समझने और अब तक की गई तरक्की या तरक्की में रुकावट बन रहे कारणों का पता चलता है। आपको यह भी पता चलता है कि आप कहां अटके हुए हैं। आपको अपनी इच्छाओं का भी पता चलता है।'

'मेक इट हैपेन' के लेखक और लाइफ कोच अरविंद देवलिया बताते हैं, 'अपने जीवन में छोटे-छोटे सामान्य परिवर्तन कीजिए।' अपनी जिंदगी के हर पहलू पर नजर डालिए- करियर, हेल्थ, रिलेशनशिप और देखिए आप क्या पसंद करते हैं और क्या बदलना चाहते हैं? इस दौरान पुरानी गलतियों को लेकर अपसेट बिल्कुल न हों। इसकी बजाय अपने भविष्य की प्लानिंग करें और सफलता के लिए छोटे-छोटे स्टेप उठाएं। ऐसे करेंगे तो आपकी जिंदगी पूरी तरह से बदल जाएगी, आप मनचाही सफलता पाएंगे। *

चाय को दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला पेय माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस (21 मई) के अवसर पर जानिए, अपने देश में मिलने वाली अलग-अलग फ्लेवर्स की चाय के बारे में।

ऊर्जा-ताजगी से कर दें सराबोर

ये जायकेदार लाजवाब चाय

बिरयानी चाय, आगरा

{ रोचक / शिखर चंद जैन }

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो सामान्य चाय, मसाला चाय, ब्लैक टी और ग्रीन टी तो अकसर पीते ही होंगे। लेकिन यहां हम आपको इनसे इतर अपने देश के अलग-अलग स्थानों की पॉपुलर चाय के बारे में बता रहे हैं।

तड़के वाली चाय, अमृतसर: पंजाब के लोग तड़के और मक्खन के खास शौकीन होते हैं। इस खास चाय को बनाने के लिए पिस्ता, बादाम, दालचीनी, इलायची, खसखस, गुलाब आदि को बटर में फ्राई किया जाता है और फिर इसे चाय में ऊपर से डाल दिया जाता है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस खास पंजाबी तड़के वाली चाय में क्या शानदार स्वाद आता होगा।

गुड़-गुड़ चाय, लद्दाख: गुड़-गुड़ चाय एक स्मोकी ब्रिक टी है। यह खास तिब्बती पेमागुल चायपत्ती, नमक, याक के दूध और इसी दूध से बने मक्खन से बनती है। इस चाय से यहां मेहमानों का खास स्वागत किया जाता है। मलाईदार गुड़-गुड़ चाय का स्वाद अन्य चाय से एकदम अलग, नमकीन होता है।

बिरयानी चाय, आगरा: आगरा में तीन परतों वाली यह चाय बेहद खास मौकों पर मेहमानों को पिलाई जाती है। इसमें सबसे नीचे गाढ़ा दूध, बीच में रहती है ब्लैक टी, जो चक्र फूल और दालचीनी पावडर के साथ उबाली जाती है और सबसे ऊपर झाग वाला गाढ़ा-गाढ़ा दूध होता है। इसे पीकर तन ही नहीं मन भी नई ऊर्जा से भर उठता है।

गुलाबी चाय, लखनऊ: इस जायकेदार चाय को बनाने के लिए बेकिंग सोडा में चाय पत्तियों को देर तक उबाला जाता है। जब पत्तियां पूरी तरह अपना रंग छोड़ देती हैं तो फिर इन्हें दालचीनी, इलायची, तेजपत्ता, केवड़ा, लौंग, केसर और दूध के साथ उबालते हैं। पक कर तैयार होने के बाद ऊपर से रबड़ी और बादाम डाले जाते हैं। धी मी - धी मी पकी हुई इस लखनवी गुलाबी चाय को पीकर आप ऊर्जा से सराबोर हो जाएंगे।

लेबू चाय, कोलकाता: इस चाय को बनाने के लिए चाय पत्ती को पहले अच्छी तरह खौलाते हैं फिर इसे छानकर इसमें नीबू का रस, काला नमक, जीरा पावडर, काली मिर्च आदि डालकर सर्व करते हैं। इसमें दालचीनी, लौंग भी डाली जा सकती है।

तंदूरी चाय, दिल्ली: पंजाब और दिल्ली में तंदूरी चाय का खूब प्रचलन है। दूध में चायपत्ती, इलायची, पुदीना आदि मिलाकर पहले चाय बनाई जाती है। फिर एक गर्म तंदूर में कुल्हड़ को बेहद गर्म होने के बाद इसे चाय में डुबाकर चाय निकाली जाती है या फिर ऐसे तपते कुल्हड़ों में ही चाय डाल दी जाती है। मिट्टी के कुल्हड़ की सोंधी-सोंधी खुशबू और अनूठे स्वाद वाली यह चाय तन-मन को ताजगी से भर देती है। *

भय और आतंक के पर्याय फिल्मों के यादगार खलनायक

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में नायक-नायिकाओं की तरह खलनायकों का भी महत्व रहा है। कई कलाकारों ने बतौर विलेन भरपूर प्रसिद्धि हासिल की। यहां आपको कुछ ऐसे ही यादगार विलेन कैरेक्टर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें दर्शक फिल्मी पर्दे पर भय और आतंक का पर्याय मानते हैं।

{ बड़ा पर्दा / अशोक जोशी }

जिस तरह अतीत से लेकर आज तक देश-दुनिया में कई बार वीभत्स आतंकी घटनाएं घटित होती रहती हैं। समाज में कुछ अपराधी, भयावह घटनाओं को अंजाम देते हैं, उसी तरह हमारी फिल्मों में भी कुछ खलनायकों के चरित्र को इस तरह गढ़ा गया, जो यादगार बन गए। इनके पर्दे पर आते ही दर्शकों के मन-मस्तिष्क में भय और आतंक छा जाता है। हिंदी फिल्मों के ऐसे ही कुछ यादगार निगेटिव किरदारों पर एक नजर-

शुरुआती फिल्मों के खलनायक

बी.एम. व्यास

हिंदी सिनेमा में नकारात्मक चरित्र, सनकी किरदारों को तब से ही पेश किया जाता रहा है, जब से सिनेमा की शुरुआत हुई थी। उस दौर की अधिकांश फिल्में पौराणिक कथाओं पर आधारित हुआ करती थीं। उनमें कभी भूत-प्रेत, कभी दानव और राक्षस के रूप में इस तरह के सनकी किरदार पर्दे पर आते थे। पौराणिक फिल्मों में भय और आतंक मचाने में उन दिनों बी.एम. व्यास, हीरालाल और हबीब जैसे कलाकारों को महारथ हासिल थी।

ऐतिहासिक फिल्मों के खलनायक

पौराणिक फिल्मों के बाद ऐतिहासिक फिल्मों का दौर आया, जिसमें चंगेज खां, हलाकू जैसे खतरनाक सनकी ऐतिहासिक पात्र पर्दे पर प्रस्तुत किए गए। इन किरदारों को पर्दे पर निभाकर कभी प्रेमनाथ, कभी शेख मुख्तार तो कभी प्राण दर्शकों में खौफ पैदा कर देते थे।

प्राण का यादगार किरदार राका

आगे चलकर ऐसे कई कलाकार आए, जिन्होंने नए-नए तरीके अपनाकर फिल्मी पर्दे पर आतंक और भय का वातावरण रचने में योगदान दिया। 'जिस देश में गंगा बहती है' का राका ऐसा ही खुंखार डाकू था, जो दुल्हनों के गले से आभूषण खींचते समय यह परवाह तक नहीं करता था कि इससे गला कट कर दुल्हन डोली पर चढ़ने के बजाय अर्थी पर चढ़ जाती है। प्राण ने अपने अभिनय कौशल से इस वहशी डाकू के किरदार में जान डाल दी थी।

हमेशा रहेंगे याद गब्बर, मोगैंबो, शाकाल

सिनेमा के पर्दे पर हिंसा और सनक की पराकाष्ठा 'शोले' के गब्बर सिंह में देखी जा सकती है। अमजद खान ने इस किरदार को पूरी शिद्दत के साथ निभाया था। आज भी अमजद खान का जिक्र आते ही आंखों के सामने डाकू गब्बर सिंह का चेहरा ही उभरता है। इसी तरह 'मिस्टर इंडिया' का मोगैंबो भी आतंक और सनक का दूसरा नाम था। यह अमरीश पुरी के शानदार अभिनय का ही कमाल था कि फिल्म में जैसे ही मोगैंबो के रूप में अमरीश पुरी की एंट्री होती है, दर्शकों की सांसें थम-सी जाती हैं। 'शोले' बनाने वाले रमेश सिप्पी की ही फिल्म 'शान' का विलेन शाकाल भी कम सनकी और खतरनाक नहीं था। फिल्म में शाकाल बात-बात में लोगों को मगरमच्छ की खुराक बना देता है। शाकाल का किरदार, इस भूमिका को निभाने वाले एक्टर कुलभूषण खरबंदा की पहचान से जुड़ गया था।

नायक भी बने खलनायक

कई ऐसी साइको थ्रिलर फिल्में बनी हैं, जिसमें नायक का किरदार निभाने वाले एक्टर्स ही नेगेटिव कैरेक्टर में दिखे। 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में शाहरूख खान द्वारा निभाए गए नेगेटिव रोल्स दर्शकों के जेहन में आज भी ताजा हैं। इसी तरह 'अग्नि साक्षी' में नाना पाटेकर और 'दरार' में अरबाज खान ने ऐसे पति की भूमिका निभाई, जो सनक की सारी हदें पार कर जाता है।

ये किरदार भी हैं यादगार

'हम', 'घातक', 'क्रांतिवीर', धुंध जैसी फिल्मों में भय, आतंक और सनकी कैरेक्टर्स का रोल डैनी डेंजोंगप्पा ने निभाया। आशुतोष राणा ने फिल्म 'संघर्ष' में लज्जा शंकर पांडे बनकर दर्शकों को खूब डराया तो 'दुश्मन' में उन्होंने गोकुल पंडित के किरदार में भरपूर वाहवाही बटोरी। इन दोनों फिल्मों में आशुतोष राणा ने सनकीपन और वहशीपन को पर्दे पर कुछ इस तरह पेश किया कि दर्शक आज भी इनको नहीं भूल पाए हैं। 'चाइना गेट' में मुकेश तिवारी द्वारा निभाया गया जगीरा का किरदार भी एक अलग किस्म का भय का माहौल रचता है। गुलशन ग्रोवर भी तरह-तरह के गेटअप बदल कर 'बैडमैन' के चरित्र को पर्दे पर पेश कर सनक का सिलसिला आगे बढ़ाते रहे हैं। अजय देवगन ने फिल्म 'दीवानगी' में शातिर और सनकी तरंग भारद्वाज का किरदार निभाया था। 'रमन राघव' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने साइको किलर की बेहतरीन भूमिका निभाई तो 'एक विलेन' में सनकी प्रेमी और हत्यारे की भूमिका में रितेश देशमुख ने जान डाल दी थी। 'पद्मावत' में रणवीर सिंह, अलाउद्दीन खिलजी के किरदार में बेहद खतरनाक लगे। हाल में आई कुछ फिल्मों की बात करें तो बॉबी देओल ने 'एनिमल' में और 'छावा' में अक्षय खन्ना ने अपने निभाए किरदारों के माध्यम से भय का माहौल रचा। *

बॉबी देओल

मुकेश तिवारी

आशुतोष राणा

पीछे नहीं रहीं खलनायिकाएं

ऐसी बात नहीं कि पर्दे पर सनकी या साइको किलर के किरदार निभाने में केवल मेल एक्टर्स का ही एकाधिकार रहा है। कई फी-मेल एक्ट्रेस ने भी इस तरह के किरदारों को बखूबी निभाकर दर्शकों को हैरत में डाल दिया। 'गुप्त' में काजोल और 'कौन' में उर्मिला मातोंडकर द्वारा निभाए गए किरदारों ने दर्शकों को अचंभे में डाल दिया था।